RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर सोमवार ●29 जनवरी , 2024 वर्षः-11 अंक - 270 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

'मन की बात' में पीएम मोदी ने की एमपी की तारीफ

● बीच गेम्स में मध्यप्रदेश ने जीते हैं सबसे ज्यादा मेडल

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रसिद्ध कार्यक्रम मन की बात के 109 वें एपिसोड मैं मालदीव में आयोजित हुए देश के पहले मल्टी स्पोर्ट बीच गेम्स मैं मध्य प्रदेश के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि भारत में लगातार ऐसे नए

प्लेटफार्म तैयार हो रहे है, जिसमें खिलाड़ियों को अपना सामर्थ्य दिखाने का मौका मिल रहा है।

ऐसा ही एक प्लेटफार्म बना है बीच गेम्स का जिसका दीव के अंदर इसका आयोजन हुआ था। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में ही दीव में बीच गेम्स का आयोजन किया गया। यह भारत का पहला मल्टी स्पोर्ट बीच गेम्स था, इनमें टग ऑफ वॉर,सी स्विमिंग, पैनकेक सिल्ट, मलखम्ब, बीच वॉलीबॉल, बीच कबड्डी, बीच सोकर, और बीच बॉक्सिंग जैसे कंपटीशन हुए, इनमें हर प्रतियोगी को अपनी प्रतिभा दिखाने का भरपूर मौका मिला। प्रधानमंत्री ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि कहा कि इस टूर्नामेंट में ऐसे राज्यों से भी बहुत

● मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश को वॉटर स्पोर्ट्स हब बनाने की तैयारी शुरू

खिलाड़ी आए, जिनका दूर-दूर तक समुंदर से कोई नाता नहीं। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा मैडल भी मध्य प्रदेश ने जीते, यहां कोई सी बीचेस नही है। खेलों के प्रति यही टेम्परामेंट किसी भी देश को स्पोर्टस की दुनिया का सरताज बनाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जयपुर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 109वां एपिसोड सुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने मन की बात के माध्यम से देश को पुनः एक नई ऊर्जा प्रदान करने की नई दिशा दी है।

नदियों के जल बंटवारे से बदलेगी एमपी-राजस्थान की किस्मत

सीएम बोले-पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों के पानी का मिलेगा भरपूर लाभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजस्थान और मध्यप्रदेश के लोगों को पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों के पानी का भरपूर लाभ मिलेगा। इन नदियों के जल के बंटवारे से दोनों राज्यों के लाखों किसानों का जीवन बदलेगा।

वकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। पर्यटन से लेकर औद्योगिक विस्तार मे तेजी आएगी। यह निर्णय विकास के अनेक द्वार खोलेगा। नदियों की जल राशि के उपयोग से जुड़े वर्षों पुराने मुद्दों का समाधान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जयपुर प्रवास के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ इस मुद्दे पर आयोजित बैठक में चर्चा की। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जयपुर मुख्यमंत्री डॉ.

● दोनों राज्यों के लाखों किसानों का होगा फायदा, मुख्यमंत्री भजनलाल से हुई चर्चा

यादव का आत्मीय स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री शर्मा से दोनों राज्यों के हित में तीन नदियों के जल बंटवारे से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। केन्द्र सरकार से विमर्श कर निर्णय लिया जायेगा। जयपुर में अनेक जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का पुष्प गुच्छों से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि दोनों राज्यों की नवगठित सरकारें विकास के कामों में लगातार आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 21वीं सदी में आजादी का अमृत महोत्सव काल चल रहा है।

बिहार में 'खेला'

9वीं बार सीएम बने नीतिश

बीजेपी के सम्राट चौधरी-विजय सिन्हा ने भी ली शपथ

पटना (एजेंसी)। नीतीश कुमार ने 9वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ और मंत्री भी शपथ ले रहे हैं। इससे पहले नीतिश ने 11 बजे राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को इस्तीफा सौंपा था। इसके बाद वे 128 विधायकों का समर्थन पत्र लेकर राज्यपाल के पास पहुंचे थे। नीतिश के पास भाजपा के 78, जेडीयू के 45, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के चार और एक निर्दलीय विधायक का समर्थन है। इस्तीफे के 6 घंटे बाद नीतिश कुमार

● डिप्टी सीएम बने, राजभवन में लगे मोदी-मोदी के नारे

फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सीएम समेत 9 लोग शपथ ले रहे हैं। भाजपा की तरफ से दो डिप्टी सीएम समेत 3 मंत्री बनाए गए हैं। जेडीयू के खाते में मुख्यमंत्री और 3 मंत्री आए हैं। हम के एक एमएलए और निर्दलीय विधायक को भी मंत्री पद मिला है। नीतिश ने इस्तीफा देने के बाद मीडिया से कहा- जो सरकार थी, उसको समाप्त करने का हमने गवर्नर साहब को बोल दिया। चारों तरफ से राय आ रही थी। इसी को हमने सुन लिया। अब पहले के गठबंधन को छोड़कर नया गठबंधन बनाए हैं। आज हम लोग उनसे अलग हो गए। जितना काम हम कर रहे थे, वो कुछ काम ही नहीं कर रहे थे। लोगों को तकलीफ थी, हमने बोलना छोड़ दिया था। गठबंधन से अलग होने की नीतिश कुमार की अपनी अलग स्टाइल है। वह सीएम रहते चौथी बार अपनी एनडीए और लालू परिवार से गठबंधन तोड़ चुके हैं। कभी लालू तो कभी मोदी का साथ छोड़ा। गठबंधन तोड़कर भी वह सत्ता में रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 2017 में लालू परिवार का साथ छोड़ा, अब परिवारवाद का दाग लगाकर वह अलग हो गए हैं।

पहले से था पता, बिहार में नीतिश मारेंगे पलटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सवा तीन साल के कार्यकाल में उनका यह दूसरा इस्तीफा है। अब वह इसी विधानसभा कार्यकाल के दौरान तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। नीतिश के इस्तीफे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हमला बोला है और कहा है कि देश में कई आया राम, गया राम हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि नीतिश पलटी मारने वाले हैं। खरगे ने कहा कि हमने जब लालू यादव और तेजस्वी जी से बात की तो उन लोगों ने कहा था कि हमें लगता है कि वह हमारे हाथ से चले जाएंगे। उन्होंने कहा था कि यदि नीतिश कुमार अलग भी हो जाएंगे तब भी हम मिलकर लड़ेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम गठबंधन की खातिर चुप थे। हम चाहते थे कि अपनी तरफ से कुछ भी न बोला जाए ताकि कोई गलत संदेश न जाए। खरगे के आरोप पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने पलटवार किया है और आरोप लगाया है कि कांग्रेस इंडिया अलायंस को हड़पना चाह रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक कॉकस बना रखा है और उसी की साजिश के जरिए खरगे को अलायंस का अध्यक्ष बनाया गया था। त्यागी ने कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर सीटों का बंटवारा लटका कर रखा था। त्यागी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को खत्म करना चाहती थी।

अब विजिटर्स के लिए आसान नहीं होगा संसद में प्रवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में विजिटर्स की एंट्री के लिए नया सिस्टम बनाया गया है। ये बदलाव 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र से ही लागू हो जाएंगे। यह प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। इसके तहत संसद की कार्यवाही देखने के लिए गेस्ट को क्यूआर कोड लेना होगा। संसद में आते समय विजिटर्स को क्यूआर कोड का प्रिंट आउट और आधार कार्ड लाना होगा। इसके बाद उसे स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा। जिसे टैप कराने और बायोमीट्रिक जांच के बाद ही वह संसद में एंट्री कर सकेगा। संसद में जाते समय अपना स्मार्ट कार्ड जमा करना होगा, अगर वह ऐसा नहीं करता तो ऑटोमेटिकली ब्लॉक और ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। फिर वह दोबारा कभी संसद कैंपस में एंट्री नहीं कर सकेगा। दरअसल, यह बदलाव 13 दिसंबर की घटना के बाद किया गया है। जब विजिटर्स गैलरी से 2 शख्स सांसदों के बीच कूद गए थे और उन्होंने स्मोक कैन जलाकर नारेबाजी की थी। बजट सेशन के लिए पास लेने विजिटर्स 31 जनवरी

● बदल गया पुराना एंट्री सिस्टम, पहले बायामीट्रिक जांच होगी

● स्मार्ट कार्ड सबमिट करना होगा, हमले के बाद हुआ फैसला

शाम 4 बजे तक ही आवेदन कर सकते हैं। इतना ही नहीं सांसदों को उस दिन के लिए विजिटर्स गैलरी के लिए केवल एक पास का आवेदन करने के लिए कहा गया है। इसमें भी सांसद के जीवनसाथी को प्राथमिकता दी जाएगी। सांसदों को सलाह दी गई है कि वे इस बात पर जोर दें कि उनके मेहमान/आगंतुक पब्लिक गैलरी पास के लिए आवेदन के साथ अपना सही पता, फोन नंबर और आधार कार्ड की एक कॉपी जमा करें। विजिटर्स गैलरी की सीट फुल होने पर आगे के पास तत्काल रोक दिये जाएंगे।

राहुल गांधी के बॉडी डबल पर जल्द करूंगा खुलासा

हिमंता ने फिर बोला हमला; कहा- डुप्लीकेट का नाम भी बताऊंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बॉडी डबल को लेकर राहुल गांधी पर फिर से हमला किया है। अपने ताजा बयान में हिमंता ने कहा है कि वह बहुत जल्द ही राहुल गांधी के बॉडी डबल का नाम और पता भी बताएंगे। गौरतलब है

कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बीते दिनों न्याय यात्रा की शुरुआत की थी। हिमंता ने आरोप लगाया था कि उत्तर पूर्वी प्रदेशों की यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने बॉडी डबल का इस्तेमाल किया था। इससे पहले कांग्रेस ने असम में राहुल गांधी की यात्रा पर हमले का आरोप लगाया था।

तमिलनाडु में लोकसभा की 21 सीटें मांग सकती है कांग्रेस

डीएमके के साथ मीटिंग शुरू, पिछली बार 9 पर लड़ी, 8 जीती

चेन्नई (एजेंसी)। सीट शेयरिंग पर चल रही खींचतान के बीच तमिलनाडु में कांग्रेस और सत्ताधारी डीएमके की मीटिंग शुरू हो गई है। यह बैठक चेन्नई स्थित डीएमके हेडक्वार्टर अन्ना अरिवलय में हो रही है। इसमें कांग्रेस की ओर से सलमान खुर्शीद और मुकुल वासनिक शामिल हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस राज्य की 21 सीटें डीएमके से मांग सकती है। 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सेक्यूलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बैनर तले राज्य की 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

जबलपुर संभाग में बूंदाबांदी के आसार, भोपाल-इंदौर में मौसम साफ

प्रदेश के ग्वालियर-रीवा समेत 14 शहरों में कोहरा

भोपाल। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मध्यप्रदेश में मौसम फिर बदल गया है। भोपाल-इंदौर में मौसम पूरी तरह साफ है। कई शहरों में दिन और रात में कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली है। शनिवार को ग्वालियर में एक दिन में तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस चढ़कर 25 डिग्री के पार पहुंच गया। अब तक ठंडे चल रहे नौगांव, खजुराहो, टीकमगढ़ में भी टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी हुई। रविवार को जबलपुर संभाग के डिंडोरी, बालाघाट, मंडला और सिवनी में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। ग्वालियर-रीवा समेत 14 शहरों में हल्के से घना कोहरा रहने का अनुमान है। इससे पहले 25 जनवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस की एक्टिविटी शुरू हो गई थी। इसका असर शनिवार से देखने को मिला। कई शहरों में दिन में बादल छाए रहे। वहीं, दिन के तापमान में बढ़ोतरी भी देखने को मिली। रात में भी कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली है। राजधानी में पिछले 10 में से 7 साल जनवरी में बारिश हुई है। आखिरी सप्ताह में भी

पानी गिरने का ट्रेंड रहा है। 26 जनवरी 2023 को एक ही दिन में 17.2 मिमी यानी आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। पूरे महीने पौन इंच पानी गिरा था। इस बार बारिश का अनुमान नहीं है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच 5 साल इंदौर जिले में भी बारिश हुई है। पिछले साल पानी नहीं गिरा था। जबलपुर में जनवरी में बारिश के ट्रेंड की बात करें, तो 10 में से 8 साल बारिश हुई है। पिछले साल बारिश नहीं हुई थी। इस बार बूंदाबांदी होने का अनुमान है। ग्वालियर में भी जनवरी में बारिश होती है। 10 में से 8 साल पानी गिरा है। पिछले 4 साल से लगातार बारिश हो रही है।

बाज नहीं आ रहे हूती आतंकी, एक बार फिर किया हमला

● अब ब्रिटिश तेल टैंकर पर दागी मिसाइल, मदद के लिए आगे आई इंडियन नेवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन के हूती आतंकवादियों की हरकतें लगातार जारी हैं। अब उन्होंने ब्रिटिश तेल टैंकर एमवी मार्लिन लुआंडा पर मिसाइल दागी है। इस हमले की वजह से टैंकर में आग लग गई। यह अदन की खाड़ी के प्रमुख नौवहन मार्ग में ईरान समर्थित समूह से जुड़ी नई घटना है। आग बुझाने के प्रयासों में मदद के लिए भारतीय नौसेना ने भी अपनी एक टीम भेज दी है। नेवी ने बताया कि उसके निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस विशाखापत्तनम ने एमवी मार्लिन लुआंडा पर अग्निशमन प्रयासों के लिए एक टीम तैनात की है, जिसके चालक दल के सदस्यों में 22 भारतीय और एक बांग्लादेशी है। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि आग बुझाने में मदद के लिए एमवी मार्लिन लुआंडा की ओर से अपील की गई थी।

ओवैसी ने तेजस्वी यादव से पूछ लिया सवाल

अब कैसा लग रहा है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतिश कुमार ने एक बार फिर अपने स्वभाव के अनुरूप पाला बदल लिया है। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने एक बार फिर एनडीए का दामन थामा है। शाम 5 बजे नीतिश 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। उससे पहले बयानबाजियों का दौर जारी है।

● कहा-जो खेल हमारे साथ हुआ था,अब वह आपके साथ हो गया

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने तो इस पूरे घटनाक्रम पर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मैं तो शुरू से कहता था कि नीतिश कुमार भाजपा में जाएंगे। ओवैसी ने आगे कहा कि हम तो यह पूछना चाहते हैं कि तेजस्वी यादव को इसके बाद कैसा लग रहा है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी ने हमारे 4 विधायक तोड़े थे। जो खेल हमारे साथ हुआ था, अब वह आपके साथ हो गया। बिहार के सीएम नीतिश कुमार ने इंडिया गठबंधन से खुद को अलग कर, बिहार में लालू की पार्टी से नाता तोड़कर एनडीए का दामन वापस थाम लिया है। लेकिन असदुद्दीन ओवैसी ने तेजस्वी यादव को ही निशाने पर ले लिया। ओवैसी ने बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने हमारी पार्टी के 4 विधायकों तो तोड़ा था। अब तेजस्वी यादव को कैसा लग रहा है। ओवैसी ने आगे कहा कि अब तेजस्वी यादव को समझ आ रहा होगा कि कैसा लगता है। जो खेल तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी ने हमारे साथ खेला, वही खेल उनके साथ हो गया। ओवैसी ने पूछा कि आपने नीतिश कुमार को दो-दो बार सीएम बनाया लेकिन आपको हासिल क्या हुआ। असदुद्दीन ओवैसी यहीं नहीं रुके।

अठावले बोले- लोकसभा चुनाव लड़ेंगे शिवराज

भोपाल में कहा-केंद्र सरकार में मंत्री भी बनेंगे चौहान

भोपाल। भोपाल में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। केंद्र में मंत्री भी बनेंगे। शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने के सवाल पर अठावले बोले, शिवराज ने अच्छा काम किया, इसीलिए उन्हें तीन बार मुख्यमंत्री बनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हर कास्ट को न्याय देना था इसीलिए वे नया ओबीसी चेहरा सामने लाए। शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में आएंगे। आगे मंत्रिमंडल में आएंगे। कैबिनेट मंत्री बनाकर उनका आदर पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले शनिवार को भोपाल पहुंचे। उन्होंने एमपी बीजेपी के मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 163 सीट मिलीं। इसमें पीएम मोदी का तो बड़ा योगदान था ही, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी बहुत मेहनत की।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 29 जनवरी, 2024

देश भक्ति से भरे लोक गीतों से गुंजायमान हुआ नर्मदा तट का पर्यटन घाट

लोकतंत्र का लोकोत्सव भारत पर्व का आयोजन

नर्मदापुरम, निप्र। गणतंत्र दिवस की संध्या पर जिले के पर्यटन घाट पर लोकतंत्र का महोत्सव भारत पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें लोक कलाकारों द्वारा बघेली लोकगायन तथा ढिमराइ और कांगड़ा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एसएस रावत, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य हाई स्कूल बिकोर दुर्गेश नंदन व्यास और संस्कृति जैसवाल द्वारा किया गया।

जनसंपर्क विभाग की विकास प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

समारोह में जिला जनसंपर्क कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा लगाई विकास प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बिंदु रही। प्रदर्शनी शासन की योजनाओं एवं नागरिकों के हित में संसद द्वारा पारित किए गए 3 नए कानूनों पर केंद्रित रही। प्रदर्शनी में शासन की योजनाओं एवं नए कानूनों को 58 पैनल्स पर चित्रित किए गए। कार्यक्रम में बढ़ी संख्या में लोगों ने प्रर्दशनी का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, सीईओ जिला पंचायत श्री एसएस रावत, एडीएम श्री देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण और गणमान्य नागरिकों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में लोक कलाकार भोपाल के अनुराग त्रिपाठी और 7 सदस्यीय दल द्वारा देशभक्ति के सुमधुर बघेली लोक गीतों की प्रस्तुति दी गई। जिसमें प्रमुख रूप से हर हर हो नर्मदा माई, भूमि भारत की जग जानी मानी है, जन्म लिया भारत में इत्यादि गीत प्रस्तुत किए गए। जनपद सीईओ नर्मदापुरम हेमंत सूत्रकार द्वारा भी देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में सिरोंज के परमानंद केवट और 8 सदस्यीय दल द्वारा ढिमराई और कांगड़ा लोक नृत्य की प्रस्तुति गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा अंत में सभी लोक कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं साल श्रीफल भेंट किए गए। इस अवसर पर एसडीएम नर्मदापुरम श्री आशीष पांडे, सिटी मजिस्ट्रेट संपदा सराफ, डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी, डिप्टी कलेक्टर बबीता राठौर, सीएमओ श्री नवनीत पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

गणतंत्र दिवस पर जनसंपर्क विभाग की विकास प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

नर्मदापुरम, निप्र। गणतंत्र दिवस की संध्या पर जिले के पर्यटन घाट पर आयोजित भारत पर्व में जिला जनसंपर्क कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा लगाई विकास प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बिंदु रही। प्रदर्शनी शासन की योजनाओं एवं नागरिकों के हित में संसद द्वारा पारित किए गए 3 नए कानूनों पर केंद्रित रही। प्रदर्शनी में शासन की योजनाओं एवं नए कानूनों को 58 पैनल्स पर चित्रित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रर्दशनी का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, सीईओ जिला पंचायत श्री एसएस रावत, एडीएम श्री देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण और गणमान्य नागरिकों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में भी नागरिकों के हित में संसद द्वारा पारित किए गए 3 नए कानूनों पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाई। जिसमें प्रदर्शनी वाहन का गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि, गणमान्य नागरिक एवं उपस्थित जनसमूह द्वारा अवलोकन किया गया।

हांगीरपुर में आयोजित मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए राजस्व मंत्री

सीहोर, निप्र। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा जहांगीरपुर में आयोजित मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए उन्होंने बच्चों के साथ भोजन किया राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने बच्चों से कड़ी मेहनत करने और आगे बढ़ाने के लिए कहा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बेटियों को पढ़ने और आगे बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं आज बेटियां पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही हैं और तरक्की कर रही हैं। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है आज हर गरीब को निशुल्क अनाज मिल रहा है प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर दिए जा रहे हैं ताकि वे सम्मानजनक ढंग से जीवन यापन कर सकें। उज्जवला गैस कनेक्शन से गरीब बहनों को धुएं से मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि मैं इस गांव के और पूरे क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दूंगा। मंत्री श्री वर्मा के द्वारा नयापुरा जहांगीरपुर में उनके द्वारा स्वीकृत किए गए अनेक कार्यों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर सीहोर जनपद अध्यक्ष श्रीमति नावड़ी बाई, रवि मालवीय, सीताराम यादव, राजकुमार गुप्ता, कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह, एसपी श्री मयंक अवस्थी, सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, एएसपी श्री गीतेश गर्ग सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य संचालक के हाथों से सम्मानित हुए फिजियोथैरेपिस्ट

विदिशा निप्र। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने हेतु विदिशा जिला चिकित्सालय में पदस्थ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. राहुल मारोथिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा राज्य उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश की संचालक श्रीमती प्रियंका दास ने प्रदत्त किया है। डाक्टर राहुल मारोथिया की उपलब्धियों पर उन्होंने पुरस्कृत होने पर जिला चिकित्सालय, विदिशा के सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. शिशिर रघुवंशी सहित अन्य सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं अभिव्यक्त की हैं

पुरस्कार पूर्व निवास एवं आयु की पुष्टि कराने के निर्देश

विदिशा निप्र। निर्वाचन गतिविधियों के अंतर्गत ÷लोगो डिजाईन करें एवं स्लोगन लिखें प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के निवास एवं आयु की पुष्टि करने के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा ने बताया कि स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आयोजित ÷लोगो डिजाईन करें एवं स्लोगन लिखें÷ प्रतियोगिता के मेरिट सूची के शेष प्रतिभागियों में विदिशा जिले की कु नेहा प्रजापति, निवासी बसिया कला, पोस्ट-हैदरगढ़, जिला विदिशा, (मो.नं.-9644650346) भी शामिल हैं। प्रतिभागी कुमारी नेहा प्रजापति की आयु एवं निवास की पुष्टि के साथ-साथ उनके म.प्र. के मूल निवासी होने एवं आयु 18 वर्ष या अधिक होने की पुष्टि की जानकारी भेजने का कष्ट करें साथ ही उनके द्वारा दी गई प्रविष्ट के मौलिक एवं स्व रचित होने तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों व मूल्यांकन समिति के सदस्यों के निकट परिजन ना होने का स्वघोषणा पत्र प्रतिभागी से प्राप्त कर शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

लोकसभा निर्वाचन के लिए डेटाबेस अपडेट करने के निर्देश

हरदा निप्र। आगामी लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार के अधिकारी कर्मचारियों के साथ साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत सभी अधिकारी कर्मचारियों का डेटाबेस अपडेट किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने केंद्र व राज्य सरकार के सभी कार्यालयों के जिला प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों का डेटाबेस आगामी तीन दिवस की समय सीमा में सीईएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन अपडेट करें।

लोकसभा निर्वाचन के लिए ईवीएम और वीवीपेट की एफएलसी का कार्य 29 जनवरी से शुरू होगा

हरदा निप्र। आगामी लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए ईवीएम और वीवीपेट मशीन की एफएलसी का कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि एफएलसी का कार्य सोमवार 29 जनवरी को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएम वेयरहाउस में प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपस्थित रहने के लिए कहा गया है।

गणतंत्र दिवस की संध्या पर ''भारत पर्व'' का आयोजन हुआ

विदिशा, निप्र। गणतंत्र दिवस की संध्या 26 जनवरी को लोकतंत्र का लोकोत्सव ''भारत पर्व'' का आयोजन रविन्द्र नाथ टैगोर संस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में शाम 7 बजे से आयोजित किया गया। भारत पर्व आयोजन की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व कन्या पूजन कर किया गया था। जिला प्रशासन, जनसम्पर्क विभाग एवं स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शेरपुरा की छात्राओं ने मेरे भारत की बेटी दिल में जज्बा रखने वाली..... आज उंगली उड़ाने वाले कल हाथ जोड़े में की शानदार प्रस्तुति को दर्शकों ने एक टक देखते हुए मंत्र मुक्त होकर तालियां बजाकर कलाकारों का हौसला अफजाई किया।

सिरोंज के कलाकार शंकर ने आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिन्दुस्तान की.....देश भक्ति तराना के साथ साथ दर्शकों की स्वमेव क्रमबद्ध तालियां बजने लगी। स्वराज संस्थान के दस सदस्यीय टीम के कलाकारों द्वारा ढ़ीमरयाई लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति लोक गीत ÷सबरी मच्छियां हो गई पुलिस में कच्छवा बन गया थाने दार÷ और तुम बड़े धर्मात्मा, बड़े जतन से की प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने हेतु विवश कर दिया।

संस्कृति की छंटा को बिखेरी स्कूली कलाकारों के दल ने थोड़ी सी धूल.... देशभक्ति गीत की शानदार प्रस्तुति प्रस्तुत करने पर सभी ने तालियां बजाकर उनकी प्रस्तुति को सहारा है। स्वराज संस्थान से अनुबंधित कलाकार रविंद्र जाटव एवं उनके सहयोगियों के द्वारा देशभक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई है दिन में मुख्य रूप से , जांह डाल डाल पर सोने की चिड़ियां करती है बसेरा वो भारत देश है मेरा..... तलवारों पर ये मेरी जमीन ये मेरे महबूब की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट सपत्नीक तथा विदिशा एसडीएम, संयुक्त कलेक्टरों के अलावा गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ, अन्य अधिकारी, कर्मचारी स्कूली विद्यार्थी अध्यापक गण मौजूद रहे।

न्यायाधीश श्री शर्मा ने किया झंडा वंदन

सीहोर, निप्र। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने जिला न्यायालय परिसर में झंडा वंदन किया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने सभी जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात जिला न्यायालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन एवं संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री शर्मा के साथ विशेष न्यायाधीश श्री सुरेश सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार दांगी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

भिरंगी रेलवे ओवरब्रिज के लिए अधिकारी कर्मचारियों के दल ने स्थल निरीक्षण किया

हरदा, निप्र। खिरकिया तहसील के ग्राम भिरंगी में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जाना है। इससे पूर्व शनिवार को एसडीएम श्री अशोक डेहरिया के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग और राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के दल ने ओवर ब्रिज के लिए स्थल निरीक्षण किया । एसडीएम श्री डेहरिया ने बताया कि शीघ्र ही ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण सुचारू रूप से मतदान संपन्न करने के लिए निर्देश

सीहोर, निप्र। जिला पंचायत सदस्य के चुनाव लिए चल रहे मतदान का कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने आष्टा के ग्राम पंचायत भँवरा और बागैर के मतदान केंद्रों में जाकर मतदान प्रक्रिया का निरीक्षण किया । जिला पंचायत सदस्य के रिक्त पद आष्टा के वार्ड क्रमांक 08 के चुनाव के लिए मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर आए मतदाताओं से चर्चा भी की। इस दौरान उन्होंने मतदान सम्पन्न कराने वाले पीठासीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को व्यवस्थित ढंग से मतदान की कार्यवाही संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीठासीन अधिकारी, सेक्टर अधिकारी तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने कहा कि मतदान करने आने वाले मतदाताओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना आए इस बात का ध्यान रखा जाए।

साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

कलेक्टर सुश्री मीना ने की राजस्व महाअभियान की समीक्षा

नर्मदापुरम निप्र। राजस्व महाअभियान अंतर्गत दर्ज प्रकरणों के निराकरण, पीएम किसान ई केवाईसी, स्वामित्व योजना तथा राजस्व वसूली में प्रगति लाएं। यह निर्देश शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित राजस्व अधिकारियों की वीसी में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को दिए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने बैठक में तहसीलवार लंबित राजस्व प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। विशेष ध्यान देकर ऐसे प्रकरण जो समयसीमा से पर हो गए हैं ऐसे प्रकरणों का निराकरण किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। कलेक्टर सुश्री मीना ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी अधिकारी जमीनी स्तर पर जाकर देखें कि जोभी प्रकरण दर्ज हो रहे हैं उनका निराकरण तय समयसीमा में किया जाए। साथ ही साथ ऐसे प्रकरण जिनका निराकरण नहीं हो पा रहा है उनके कारणों का पता कर उनका डिस्पोजल कराएं। प्रत्येक तहसील इस बात का विशेष ध्यान रखें कि ड्ड1 वचन में किसी भी प्रकार की विसंगति न हो। राजस्व महाअभियान से जुड़े समस्त डाटा को समय पर आरसीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड करवाना और त्रुटि सुधार सुनिश्चित करें। राजस्व वसूली के संबंध में कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य केअनुरूप वसूली की जाए। जिन तहसीलों ने लक्ष्य के अनुरूप मांग कायम कम की है ऐसी तहसीले राज्य सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्य अनुरूप मांग बढ़ाएं एवं राजस्व वसूली के कार्य में गति लाए। स्वामित्व योजना अंतर्गत ऐसे नक्शे जो की रिजेक्ट हुए हैं, उनमें त्रुटि सुधार कर दोबारा पास होने के लिए भेजें। इसी के साथ समस्त एसडीएम, तहसीलदार ,नायब तहसीलदार को यह निर्देशित किया है कि तकनीकी टीम से समन्वय कर ऐसे नक्शों की समस्या का निराकरण करवाएं जो की ऑनलाइन नहीं खुल रहे हैं। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देश दिए कि विस्थापित ग्रामों के आर.ओ.आर एंट्री नियमित आधार पर की जाए। राजस्व महा अभियान के अंतर्गत समस्त रिकॉर्ड ऑनलाइन अपडेट रहे। कोई भी रिकॉर्ड ऑफलाइन प्रस्तुत न करें।उन्होंने लंबित ई केवाईसी, नामांतरण, बटवारा , राजस्व वसूली के प्रकरणों में पूरी गंभीरता के साथ काम करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत समस्त लंबित प्रकरणों का निराकरण तय समय सीमा के भीतर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

इंदौर, सोमवार 29 जनवरी, 2024

उज्जैन में एक मार्च से शुरू होगा व्यापार मेला

● व्यापार मेले में 1 और 2 मार्च को होगी इन्वेस्टर समिट

भोपाल (नप्र)। उज्जैन के दशहरा मैदान में एक मार्च से शुरू होने उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेला-2024 की तैयारियाँ व्यापक स्तर पर की जा रही हैं। इस वर्ष व्यापार मेले में एक और 2 मार्च को इन्वेस्टर समिट भी होगी। इन्वेस्टर समिट में पर्यटन, कृषि और स्टार्टअप सेक्टर पर विशेष फोकस किया जायेगा। समिट में गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र राज्य के साथ स्थानीय निवेशक भी भाग लेंगे। इन्वेस्टर समिट के दौरान उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जायेगी, जहाँ औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की व्यापक संभावना है। समिट में गारमेंट, टेक्सटाइल, फूड-प्रोसेसिंग के जरिये रोजगार के अवसर सृजित किये जाने के प्रयास किये जायेंगे।

व्यापार मेला - उज्जैन में उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेला की व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी गई हैं। व्यापार मेले का आयोजन नगरपालिका निगम उज्जैन द्वारा किया जा रहा है। व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर की दुकानें लगाई जायेंगी। इनमें उज्जैन के स्थानीय व्यापारियों को वरीयता दी जा रही है। इसके साथ ही व्यापार मेले के अन्य सेक्टर में प्रदेश के अन्य स्थानों के डीलर्स को भी आमंत्रित किया गया है। व्यापार मेले में फूड जोन भी बनाया जायेगा। इस जोन में स्थानीय व्यापारियों के अलावा प्रदेश के अन्य स्थानों के खाद्य वस्तुओं से जुड़े व्यापारी अपने व्यंजनों का विक्रय कर सकेंगे।

स्वच्छता पर दिया जायेगा विशेष ध्यान - उज्जैन में एक मार्च से लगने वाले उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेला में नागरिकों के सुविधाजनक आवागमन के साथ व्यापार मेला स्थल पर नगर निगम द्वारा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

पीएम यशस्वी योजना की छात्रवृत्ति के लिये आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी

भोपाल (नप्र)। सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित 'पीएम यशस्वी योजना' में पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ जाति के विद्यार्थियों हेतु टॉप क्लास एजुकेशन योजना में छात्रवृत्ति के लिये आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2024 है। सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण श्री अनिल कुमार सोनी ने बताया कि इस योजना में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदेश के चयनित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं एवं 11वीं के पिछड़ा वर्ग तथा विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ जाति के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। पात्र विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर चयनित कर कक्षा 9 वीं एवं 10वीं के विद्यार्थी को अधिकतम 75 हजार रुपए तथा कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों को अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपए छात्रवृत्ति के रूप में डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (डी.बी.टी.) के माध्यम से संबंधित विद्यार्थियों के एकल बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी।

अयोध्या में रामलला की स्थापना का भोपाल में जश्न

● ग्रीन एकड़ फेस 2 कॉलोनी लालघाटी में निकली भव्य शोभायात्रा, गूंजे जयकारे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ग्रीन एकड़ फेस-2 कॉलोनी, लालघाटी परिसर में धूमधाम से मनाया गया रामलला प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव। इस मौके पर केसरिया ध्वज के तले निकली भव्य शोभायात्रा। जिसमें भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान और शबरी की वेशभूषा में तैयार लोग रथ में शामिल हुए। शोभायात्रा का जगह जगह फूलों से स्वागत किया गया। कॉलोनी के महिलाएं, पुरूष और बच्चों ढोल और डीजे की धुन पर जमकर झूमे। इस अवसर पर कॉलोनी परिसर को आकर्षक रंगोली से सजाया गया। चारों तरफ दीप प्रज्जवलित किए गए। इस दौरान पूरी कॉलोनी राममय नजर आई। सभी लोग राम की भक्ति के रंग में रंगे हुए थे। कार्यक्रम में रामायण के विभिन्न दृश्यों का प्रस्तुतीकरण पात्रों द्वारा बड़े ही खूबसूरती से किया गया। समिति के अध्यक्ष अमरलाल ठाकुर ने सभी का स्वागत और सम्मान किया। रामजी का प्रतीकात्मक स्वरूप राज ऋषि जैन , सीता नेहा जैन , लक्ष्मण मोहन तनेजा , हनुमान मानस और शबरी रेखा दादलानी ने निभाया। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया।

माकड़ोन में सरदार पटेल और डॉ. अंबेडकर दोनों की मूर्तियां स्थापित होंगी

● दोनों पक्षों की सहमति से हुआ निर्णय

● कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने कराई दोनों पक्षों की समन्वय बैठक

भोपाल (नप्र)। उज्जैन में संबंधित पक्षों के आपसी समन्वय से यह निर्णय लिया गया कि माकड़ोन में सरदार वल्लभ भाई पटेल और डॉ. बी.आर. अंबेडकर दोनों की मूर्तियां पुनः स्थापित की जाएंगी। सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पुनः नियत स्थान पर स्थापित की जाएगी। माकड़ोन के बस स्टैंड पर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की मूर्ति स्थापित की जाएगी। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा की मौजूदगी में रविवार को प्रशासनिक संकुल भवन में माकड़ोन में हुई घटना से संबंधित दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर श्री सिंह के समक्ष दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों द्वारा गत दिनों माकड़ोन में हुई घटना पर दुःख व्यक्त किया गया। साथ ही दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों द्वारा भविष्य में माकड़ोन में शांति और आपसी सामंजस्य बनाए रखने का आश्वासन भी दिया गया। पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा ने दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों से कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार शरारती तत्वों और वैमनस्य फैलाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि माकड़ोन में निरंतर पुलिस पेट्रोलिंग की जा रही है। दोनों पक्ष पुलिस विभाग और प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। जिन प्रकरणों में विवेचना चल रही है उनमें नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए एडिशनल एसपी श्री नितेश भार्गव को नियुक्त किया गया है।

भोपाल-मंडीदीप रूट पर फिर दौड़ने लगी सिटी बसें

प्राइवेट ऑपरेटर्स जबरन उतार रहे सवारियां, ड्राइवर-कंडक्टर को कहे अपशब्द

भोपाल (नप्र)। भोपाल-मंडीदीप रूट पर सिटी बसें फिर से दौड़ने लगी हैं। कुल 45 बसों के संचालन को मंजूरी दी गई है। इनमें से करीब 30 बसें दौड़ भी रही है, लेकिन प्राइवेट ऑपरेटर्स इसमें अड़ंगा लगा रहे हैं। वे सवारियों को सिटी बसों से जबर्दस्ती उतार रहे हैं। दो दिन में ऐसे 3 मामलों के वीडियो सामने आ चुके हैं। इसमें वे ड्राइवर-कंडक्टर से अपशब्द कहने और जान से मारने की धमकी देने के साथ सवारियों को जबर्दस्ती उतारते दिखाई दे रहे हैं। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने मामलों को संज्ञान में लेकर पुलिस से भी शिकायत की है। बता दें कि करीब 3 महीने पहले हाईकोर्ट के आदेश के बाद नगर निगम की सीमा के बाहर 25 किलोमीटर के दायरे में आ रहे भोपाल से मंडीदीप और बिलकिसगंज के लिए बसों का संचालन बीसीएलएल ने बंद कर दिया था। इनमें से मंडीदीप के लिए सेवा फिर से शुरू कर दी गई है। दो में से एक बस ऑपरेटर ने 25 जनवरी और दूसरे ने 26 जनवरी को बसों का संचालन शुरू किया।

ड्राइवर-कंडक्टर को धमकाने से यात्री दहशत में - गांधीनगर से मंडीदीप और टीआर 4 चिरायु अस्पताल से मंडीदीप (सतलापुर/सिमराई) तक जाने के लिए कुल 45 बसों को परमिशन मिल गई है। इसके लिए दो बस ऑपरेटर की ओर से अतिरिक्त राशि परिवहन विभाग को जमा की है। बसों का संचालन करने के साथ प्राइवेट बस ऑपरेटर्स विवाद करने लगे हैं। ड्राइवर-कंडक्टर को बसों में जाकर धमकी देने से यात्री दहशत में आ रहे हैं।

मंडीदीप थाने में शिकायत - बीसीएलएल ने मंडीदीप थाने में शिकायत भी की है। अफसरों ने बताया कि मंडीदीप और उससे पहले प्राइवेट बस ऑपरेटर्स स्टॉप पर सिटी बसों को खड़े भी नहीं होने दे रहे हैं। वहीं, बसों को रास्ते में रोककर सवारियों को उतार देते हैं।

हाईकोर्ट ने यह दिया था आदेश -करीब तीन महीने पहले जबलपुर हाईकोर्ट ने अमृत योजना के तहत संचालित सिटी (मेट्रो) बसों का संचालन नगर निगम सीमा के बाहर नहीं करने का फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने राज्य शासन के उस आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसमें नगर निगम सीमा के बाहर 25 किलोमीटर के दायरे में सिटी बस संचालन की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि जिस योजना के तहत उक्त आदेश जारी किया गया था, उसका गजट नोटिफिकेशन नहीं हुआ है। मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 99 के तहत योजना का गजट नोटिफिकेशन जरूरी है। हाईकोर्ट ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत सभी नगर निगम, जहां पर सिटी बसों का संचालन होता है उन्हें आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद भोपाल में भी सिटी बसें बंद कर दी गई थी। हालांकि, अतिरिक्त टैक्स जमा करने के बाद मंडीदीप के लिए फिर से बसें शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर, विभाग स्तर पर नोटिफिकेशन जारी करने के लिए भी प्रक्रिया की जा रही है।

103 साल का दूल्हा, 49 साल की दुल्हन

भोपाल में तीसरी शादी कर बेगम को ऑटो से घर लाए, बोले- अकेला हो गया था

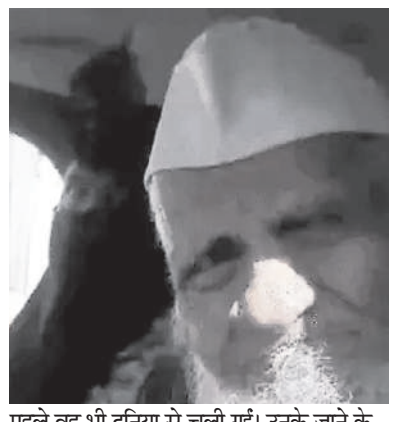

भोपाल (नप्र)। आमतौर पर 80-90 साल तक पहुंचते-पहुंचते लोग कर्मों का हिसाब लगाने लगते हैं। सोचते हैं कि उनकी जिंदगी के चंद ही दिन बाकी हैं, जिन्हें ऊपर वाले की बंदगी में बिताया जाए। लेकिन भोपाल में एक शख्स ने 103 साल की उम्र में निकाह कर एक बार फिर दुनिया बसा ली। दरअसल, शनिवार को एक वीडियो सामने आया। इसमें 103 साल के बुजुर्ग निकाह के बाद ऑटो से अपनी 49 साल की बेगम को घर ले जाते दिख रहे हैं। लोगों की मुबारकबाद को वे खुशी-खुशी स्वीकार करते नजर आए।पड़ताल में पता चला कि वीडियो भोपाल के इतवारा में रहने वाले स्वतंत्रता सेनानी हबीब नजर का है। उन्हें इलाके में लोग मंझले भाई के नाम से भी जानते हैं। वीडियो एक साल पहले का है। उन्होंने 2023 में फिरोज जहां से शादी की थी। संभवत- वे मध्यप्रदेश के सबसे उम्रदराज दूल्हा हैं, जिसने उम्र के इस पड़ाव में शादी की है।मीडिया ने उनके घर पहुंचकर इस उम्र में शादी करने की वजह जानी तो न केवल उन्होंने तीसरे निकाह के कारण बताए, बल्कि उनकी पत्नी ने भी फैसले को सही ठहराया।

अकेला था इसलिए किया तीसरा निकाह - स्वतंत्रता सेनानी हबीब नजर का यह तीसरा निकाह है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया, मेरी उम्र 104 साल है। पत्नी की उम्र 50 साल है। मैंने यह निकाह पिछले साल 2023 में किया था। 50 साल पहले मेरा पहला निकाह नासिक में हुआ था। पत्नी के इंतकाल के बाद दूसरा निकाह लखनऊ में हुआ। तीसरी शादी से करीब डेढ़ साल पहले वह भी दुनिया से चली गईं। उनके जाने के बाद उम्र के इस पड़ाव पर मैं खुद को अकेला महसूस करने लगा। मेरी खिदमत के लिए कोई नहीं था। इस कारण मैंने निकाह का सोचा। इस बीच कहीं से फिरोज जहां के बारे में पता चला। वह भी अकेली थी, तो हमने निकाह कर साथ जीवन बिताने का फैसला कर लिया।

17 रुपए लेकर गांधी जी को देखने गया था -हबीब नजर ने बातों ही बातों में बताया, हमारे दौर में महात्मा गांधी बहुत बड़ी हस्ती थीं। उनका क्रेज यह था कि मेरे पिता ने मुझे उस समय 17 रुपए दिए, और कहा कि तुम जाकर महात्मा गांधी को देखकर आओ। 17 रुपए उस जमाने में बहुत बड़ी बात होती थी। यह रुपए मैंने जाने-आने और खाने-पीने के लिए खर्च किए। उनको देखा और भोपाल लौट आया। हालांकि, वे यह नहीं बता पाए कि गांधीजी को देखने कहां गए थे।

अपनी मर्जी से किया निकाह - दोगुनी से अधिक उम्र के बुजुर्ग से निकाह के बारे में फिरोज जहां ने बताया, मैंने अपनी मर्जी से शादी की है। हालांकि, मैंने पहले इस निकाह के लिए मना कर दिया था, फिर बाद में पता चला कि वह बुजुर्ग हैं। उनकी खिदमत के लिए कोई नहीं है, तो फिर यह फैसला ले लिया। इस निकाह से खुश हूं। मुझे उनके बारे में हमारे रिश्तेदारों ने बताया था।

पूरी तरह से स्वस्थ, कोई बीमारी नहीं - फिरोज जहां ने बताया कि हबीब उम्र के इस पड़ाव पर भी पूरी तरह स्वस्थ हैं। उनको किसी प्रकार की कोई बीमारी नहीं है। हाल में उनके सभी टेस्ट हुए हैं। आम तौर पर लोगों को इस उम्र में शुगर समेत अन्य बीमारियां हो जाती हैं, लेकिन इन्हें ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। अब उनको सिर्फ कमजोरी रहती है। वह भी इसलिए कि उन्हें खाने-पीने में परेशानी होती है।

म.प्रक में पहले भी हुई हैं ऐसी शादियां - उज्जैन में मार्च 2022 में 82 साल के शख्स ने 38 साल की दुल्हन से शादी की थी। बुजुर्ग ने विशेष विवाह अधिनियम के तहत कोर्ट मैरिज की, जहां दोनों ने एक-दूसरे का सहारा बनने की बात कही। फरवरी 2023 में सतना जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत रामनगर जनपद में 65 साल की मोहनिया बाई ने 75 साल के बुजुर्ग भगवानदीन सिंह गोंड ने शादी रचाई। दोनों बुजुर्ग बीते करीब 10 साल से लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहे थे।

विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल 23 जिलों में

● 7300 करोड़ रूपये की लागत से बनेंगे आंगनवाड़ी केन्द्र, छात्रावास, सड़कें एवं आवास

● विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग की बहनों के खातों में 29 करोड़ रूपये से अधिक की राशि हस्तांतरित

भोपाल (नप्र)। विशेष पिछड़ी जनजाति के कल्याण में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिये किये जा रहे प्रयासों एवं नवाचारों के संदर्भ में मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं संकल्पों की विस्तृत जानकारी दी है। गणतंत्र दिवस पर जनसंदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय गौरव दिवस के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) प्रारंभ कर विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास की क्रांतिकारी शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य जिलों में 7 हजार 300 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से आँगनवाड़ी केन्द्रों, छात्रावासों, बहुउद्देशीय केंद्रों, सड़कों, पुलों और आवासों का निर्माण किया जायेगा। इससे प्रदेश के 23 जिलों की 4 हजार 597 बसाहटों में निवास करने वाले बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजाति के 11 लाख से अधिक भाई-बहन लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जनवरी माह में आहार अनुदान योजना में विशेष पिछड़ी जनजातियों की बहनों के खातों में 29 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की गई है। राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं विमुक्त, घुमंतु तथा अर्द्धघुमंतु समुदायों के लिए शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, स्व-रोज़गार, अधोसंरचना विकास, आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान और सशक्तिकरण में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखेगी। इन समुदायों के समग्र कल्याण के लिये सरकार पूर्णतः कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

भोपाल के शाहपुरा में बनेगा जैन छात्रावास

छात्रावास के लिए मुनिश्री ने किया शिलान्यास

भोपाल (नप्र)। शाहपुरा जैन समाज द्वारा पीएससी की पढ़ाई कर रही समाज की छात्राओं के लिए मंदिर के पास नवीन छात्रावास भवन बनाया जाएगा। छात्रावास के लिए मुनिश्री सुप्रभ सागर, प्रणम सागर ने रविवार को शिलान्यास किया। मंदिर समिति के संतोष जैन ने बताया कि पीएससी की तैयारी कर रही समाज की छात्राएं वर्तमान में मंदिर परिसर में बने कक्षों में रहती हैं। उन्हें पढ़ाई का

भोपाल में 55 से ज्यादा मामलों का वांटेड बिल्डर गिरफ्तार

आरोपी जयपुर में चाय की होटल और रेस्टोरेंट का संचालन कर रहा था

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 55 से ज्यादा मामलों का वांटेड सुनील टेबड़ीवाल को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को जयपुर से मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि गिरफ्तारी के डर से वह जयपुर शिफ्ट हो गया था। इससे पूर्व वह अन्य कई राज्यों में फरारी काट चुका है। बीते एक साल से जयपुर में रहकर चाय की होटल और रेस्टोरेंट संचालित कर रहा था। बता दें कि बीते चार साल से लगातार पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी पर 30 हजार का इनाम घोषित था।

जालसाजी के मामलों में थी पुलिस को तलाश - फरियादी चंदन सिंह वर्मा ने 30 नवंबर 2019 को रिपोर्ट की, कि उसने कृष्णा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के प्रोपराइटर

सुनील पिता ओमप्रकाश टिबड़ेवाल से थाना रातीबड़ क्षेत्रांतर्गत ग्राम खुरचनी में इनकी कॉलोनी में तीन प्लॉट खरीदे थे। जिनके रुपए 6 लाख 80 हजार लेने के बाद भी रजिस्ट्रियां नहीं कराई थीं।महीनों तक चक्कर काटते रहे और सागर होम्स कोलार रोड के इनके आफिस में जाकर रजिस्ट्री के लिए बात करने पर सुनील टिबड़ेबाल और इसके पार्टनर विवेक शर्मा ने जाती सूचक शब्दों से अपमानित किया। इतना ही नहीं आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया। जिसकी शिकायत मिलने पर थाना क्राइम ब्रांच में अपराध क्र. 202/2019 धारा 420, 406, 506 भादवि एवं 3 (1) (द,ध) एस.सी.एस.टी. एक्ट का दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। इससे पूर्व आरोपी पर शहर के विभिन्न थानों में 50 से ज्यादा केस दर्ज हैं।

एक आरोपी की हो चुकी थी गिरफ्तारी - इस प्रकरण में विवचेना के दौरान साक्ष्य के आधार पर आरोपी विवेक शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका था। तब से सुनील टिबड़ेबाल फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस आयुक्त भोपाल ने 30 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। हाल में मुखबिर ने आरोपी के जयपुर में छिपे होने की जानकारी दी। मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर तीन महीने तक आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए गए। जिसके बाद उसे जयपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी वहां चाय की होटल और रेस्टोरेंट का संचालन कर रहा था। पुलिस से बचने की नीयत से लगातार ठिकाने बदलता था।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी को मिला सर्वश्रेष्ठ विद्युत गृह का पुरस्कार

भोपाल (नप्र)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक श्री रघुराज राजेन्द्रन और मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने वर्ष 2022-23 में सर्वश्रेष्ठ पावर स्टेशन काम्पलेक्स के लिए सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी को चलित शील्ड एवं 3 लाख रूपए का पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री अनय द्विवेदी, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी, पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन राजीव गुप्ता सहित बड़ी संख्या में विद्युत कार्मिक उपस्थित थे।सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए वर्ष 2022-23 का पुरस्कार संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर के विद्युत गृह क्रमांक तीन को दिया गया। पुरस्कार के रूप में बिरसिंगपुर के विद्युत गृह क्रमांक तीन को चलित शील्ड व 2 लाख रूपए प्रदान किए गए। वर्ष 2022-23 में जल विद्युत गृहों में मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह

शिवपुरी को सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए चलित शील्ड व 1 लाख रूपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2022-23 में सर्वश्रेष्ठ अग्निशमन सेवाओं के लिये सर्वोत्तम अग्निशमन दल का अवार्ड संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर को प्रदान किया गया। पुरस्कार के रूप में चलित शील्ड व 10 हजार रूपए की राशि प्रदान की गई।

रामदास अठावले बोले-लोकसभा चुनाव लड़ेंगे शिवराज

भोपाल में मीडिया के सवाल पर कहा-केंद्र में मंत्री भी बनेंगे चौहान

भोपाल (नप्र)। भोपाल में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मीडिया के सवाल पर कहा कि शिवराज सिंह चौहान लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। केंद्र में मंत्री भी बनेंगे। शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने के सवाल पर अठावले बोले, 'शिवराज ने अच्छा काम किया, इसीलिए उन्हें तीन बार मुख्यमंत्री बनाया गया'। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हर कास्ट को न्याय देना था इसीलिए वे नया ओबीसी चेहरा सामने लाए। शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में आएंगे। आगे मंत्रिमंडल में आएंगे। कैबिनेट मंत्री बनाकर उनका आदर पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले भोपाल पहुंचे। उन्होंने म.प्र. भाजपा के मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को 163 सीट मिलीं। इसमें पीएम मोदी का तो बड़ा योगदान था ही, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी बहुत मेहनत की।

नीतीश कुमार को कहा भी था-लालू के पास मत जाएं - रिपब्लिकन पार्टी

ऑफ इंडिया के चीफ रामदास अठावले ने बिहार की राजनीति पर भी बात की। उन्होंने कहा, हमने नीतीश कुमार से कहा भी था कि आप लालू प्रसाद के पास मत जाएं। आपको वहां नहीं जाना चाहिए था। अब देर आए, दुरुस्त आए। आगे कहा, अभी इंडिया की जो गाड़ी लॉन्च हुई, वो कमजोर पड़ रही है। देश के विकास के लिए नीतीश के निर्णय से इंडिया गठबंधन को बहुत बड़ा झटका लगा है।

प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भाजपा का नहीं था, कांग्रेस को आना चाहिए था - अठावले ने विपक्षी नेताओं के रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नहीं आने पर कहा, कांग्रेस के नेता नहीं आए, क्योंकि उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं था। प्रोग्राम भाजपा का नहीं था, राम मंदिर ट्रस्ट का था। ट्रस्ट ने सारे देश के नेताओं को बुलाया था। मैं भी बुद्धिस्ट हूं, लेकिन हिंदू धर्म के लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं। बाबा साहब के संविधान में हमें यही सिखाया है कि हमारे धर्म अलग-अलग हैं, लेकिन हम सब भारत के नाम पर एक हैं। उन्हें (कांग्रेस) भी आना चाहिए था। ऐसे प्रोग्राम में राजनीति करना ठीक नहीं था।

राहुल को भारत नहीं, कांग्रेस जोड़ने के लिए यात्रा निकालनी चाहिए - राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर अठावले ने कहा, पीएम मोदी के विकास रथ में हम सभी बैठे हैं। राहुल गांधी इस रथ को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा उनसे सवाल है कि कांग्रेस जब 70 साल सत्ता में थी, तब आपने क्या किया? देश को जोड़ने की जरूरत नहीं, संविधान ने सब कुछ जोड़ दिया है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 29 जनवरी, 2024

संपादकीय

राह चलते सड़क पर आवारा कुत्तों का खतरा

आखिर आवारा कुत्तों से लोगों को सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी कौन लेगा। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि कुत्तों में आक्रामकता बढ़ रही है और वे अब मनुष्य पर हमले अधिक करने लगे हैं। खासकर बच्चे उनके हमले का आसान शिकार बनते हैं। ऐसे में यह स्थिति और चिंताजनक हो गई है। मनुष्य और कुत्तों के बीच रिश्ते प्राय: दोस्ती के रहे हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह कुत्तों के हमले की घटनाएं और रैबीज के मामले बढ़ रहे हैं, उसे लेकर स्वाभाविक ही चिंता पैदा हो गई है। कुछ साल पहले दिल्ली के जामिया इलाके में कुछ छोटे बच्चों को कुत्तों के नोच-नोच कर मार डालने की घटनाएं प्रकाश में आई थीं। उसके बाद देश के विभिन्न इलाकों से ऐसी खबरें आती रहीं। कुत्तों के काटने से फैलने वाले रैबीज से दर्दनाक मौतों के भी कई वीडियो प्रसारित हुए। अभी दिल्ली में एक मां जब अपने दो साल के बच्चे को गोद में लेकर जा रही थी, उस पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया। किसी तरह उसने बच्चे को बचाया, तो दूसरे कुत्ते ने हमला कर दिया, जिसमें मां और बच्चा दोनों घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले का संज्ञान लिया है।

सड़क पर सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी : मगर सवाल है कि आखिर आवारा कुत्तों से लोगों को सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी कौन लेगा। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि कुत्तों में आक्रामकता बढ़ रही है और वे अब मनुष्य पर हमले अधिक करने लगे हैं। खासकर बच्चे उनके हमले का आसान शिकार बनते हैं। ऐसे में यह स्थिति और चिंताजनक हो गई है।

टीके लगाने में लापरवाही से बढ़ीं दिक्कतें : कुत्तों के हमले से बचाव के लिए कानून बनाया गया कि सरकार उनका बंध्याकरण कराएगी, ताकि उनकी

वंश वृद्धि न हो सके। उन्हें टीके लगाए जाएंगे, ताकि उनके काटने पर रैबीज न होने पाए। मगर इस मामले में शिथिलता ही देखी जाती है। महानगरों में शिकायत करने पर कुत्ते पकड़ने वाली गाड़ी तो आ जाती है, मगर अक्सर उसे देख कर कुत्ते भाग जाते हैं और उन्हें न तो रैबीजरोधी टीके लगाए जा पाते हैं और न बंध्याकरण हो पाता है। इसकी वजह से उनकी तादाद पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। हालांकि कई आम लोग भी इस मामले में अपनी नागरिक जिम्मेदारी नहीं समझते। वे श्वान-प्रेम में उन्हें भोजन आदि देते रहते हैं, कई लोग तो उनके बंध्याकरण आदि का विरोध भी करते देखे जाते हैं।

कुछ संगठन पशु क्रूरता अधिनियम के हवाले से आवारा कुत्तों को संरक्षण प्रदान करते हैं। कुत्तों के प्रति मानवीय संवेदना अच्छी बात है, मगर उनकी वजह से अगर लोगों का राह चलना मुश्किल होने लगे, उनके काटने से किसी की जान पर बन आए, तो इसे किसी भी रूप में ठीक नहीं कहा जा सकता। दूसरे अनेक देशों में आवारा कुत्ते इस तरह परेशानी का सबब नहीं बनते, इसलिए कि उनका नियमित टीकाकरण किया जाता है। अगर वे किन्हीं स्थितियों में काट भी लें, तो रैबीज का खतरा नहीं रहता। हालांकि पालतू कुत्तों की वजह से भी कई बार लोगों के लिए खतरा पैदा हो जाता है। कई मालिक अपने कुत्तों को बाहर ले जाकर लापरवाही से छोड़ देते हैं, और वे किसी पर आक्रमण कर देते हैं।

ऐसे अनेक मामले प्रकाश में आ चुके हैं, जब कुत्तों की वजह से पड़ोसियों में मारपीट की नौबत आई और हत्याएं तक हो गईं। दिल्ली, मुंबई आदि शहरों में सरकार को नियम बनाना पड़ा कि कुछ विशेष प्रजाति के कुत्ते पालने वालों को उनका पंजीकरण कराना होगा। इस तरह पालतू कुत्तों पर तो नजर रखी जा सकती है, मगर बिना टीका वाले आक्रामक आवारा कुत्तों पर नजर रखने की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा। कायदे से नगर पालिकाओं को समय-समय पर इसके लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। उन्हें नागरिक सुरक्षा का अपना दायित्व कब समझ आएगा!

सोशल मीडिया से...

कालकाजी मंदिर के जागरण में कल रात हुआ हादसा बेहद दुखद। हादसे में एक महिला की मौत हुई है, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। घायल हुए 17 लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। मेरी सभी दिल्लीवासियों से अपील है कि किसी भी तरह के बड़े आयोजन में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखें, व्यवस्था इस प्रकार से करें कि कोई भी अप्रिय घटना ना घटे।

अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

स्वप्न को शिल्प तक पहुँचाने वाले अद्वितीय साधक, विवेकानंद शिला स्मारक जैसी असाधारण रचना के कल्पज्ञ एकनाथ रानाडे जी के श्रीचरणों पर कोटिशः नमन! आज स्मारक स्वामी विवेकानंद जी के विचारों के प्रसारण के साथ ही श्रद्धेय रानाडे जी की तपस्या का भी यशोगान कर रहा है।

शिवराज सिंह, पूर्व सीएम मध्य प्रदेश

भारतीय शास्त्रीय संगीत के विश्व विख्यात गायक पद्म विभूषण पंडित जसराज जी की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन

नितिन गडकरी

भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

यह बीते 10 वर्षों के सतत प्रयासों का परिणाम है कि आज भारत की बेटियां थल, जल और नभ से लेकर अंतरिक्ष तक अपना लोहा मनवा रही हैं।

नरेन्द्र मोदी
पीएम मध्य प्रदेश

आज का कार्टून

हरियाणा के विकास का आधार है डिजिटलाइजेशन

-मनोहर लाल

सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह गणतंत्र दिवस हम ऐसे समय में मना रहे हैं, जब हरियाणा में 'संकल्प से परिणाम वर्ष' मनाया जा रहा है। इसका अभिप्राय यह है कि हमने वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालते ही जो संकल्प...

लिए थे अब उनके परिणाम आ रहे हैं। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमने व्यवस्था परिवर्तन से सुशासन और सुशासन से सेवा की मंजिलें तय की हैं। हमारे इस मार्ग में ई-गवर्नैंस सबसे अधिक कारगर सिद्ध हुई है।

हम विकास से विकसित हरियाणा का रास्ता औद्योगिकी और नीति के समुचित मेल से तय करेंगे। आज देश की राजधानी के कर्त्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुई प्रदेश की झांकी वर्तमान हरियाणा को सही अर्थों में परिलक्षित करती है। हाथों में कम्प्यूटर लिए महिलाएं डिजिटली सशक्त हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। प्रदेश में डिजिटलीकरण के जरिए परिवार पहचान पत्र जैसी क्रांतिकारी स्कीम ने नए भारत के हरियाणा की तस्वीर बदल दी है। बीते एक दशक में टैक्नोलॉजी के इस्तेमाल ने प्रदेश को विकास के उस पथ पर डाल दिया है जिसकी एक दशक पहले के हरियाणा के लोगों ने कल्पना भी नहीं की थी।

हमारी सरकार के प्रदेश में जनसेवा के सवा 9 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। वर्ष 2014 में जब प्रदेश की जनता ने हरियाणा की जनसेवा का दायित्व मुझे सौंपा था उस वक्त हरियाणा की स्थिति ऐसी थी कि उन परिस्थितियों और सिस्टम के बीच रहकर प्रदेश को नए सिरे से विकास के मार्ग पर लाना संभव ही नहीं था। औद्योगिकीकरण के कदम वर्षों पहले हरियाणा में पड़ने के बावजूद वह रफ्तार नहीं पकड़ पाया था। भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। प्रदेश के संसाधनों का मनमाना और पक्षपातपूर्ण उपयोग हो रहा था। प्रदेश की जिम्मेदारी ग्रहण करते वक्त ही मुझे इस बात का एहसास हो गया था कि प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने के लिए समय के अनुरूप कदम उठाने होंगे।

इस बिगड़ी व्यवस्था को ठीक करने का टैक्नोलॉजी ही एक जरिया हो सकती थी। चूंकि मैं स्वयं बचपन से ही इससे काफी नजदीक से जुड़ा रहा हूं। इसलिए टैक्नोलॉजी के इस्तेमाल के लाभ समझता हूं। शायद यही वजह रही कि मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के स्लोगन और डिजिटलीकरण के जरिए प्रदेश के सिस्टम में सुधार की संभावना को समझा और प्रदेश के तंत्र की जड़ तक में समा गए भ्रष्टाचार को दूर करने की जिम्मेदारी ली। इसलिए शुरू से ही जाति, नस्ल, क्षेत्र, पंथ या सम्प्रदाय के आधार पर भेदभाव किए बिना समाज के सभी वर्गों को एक संगठित इकाई मानकर विकास व समृद्धि के समान अवसर उपलब्ध कराने की नीति पर चलने का निश्चय किया। टैक्नोलॉजी के इस्तेमाल से सिस्टम में लोगों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया। आज मुझे इस बात का संतोष है कि प्रदेश कम से कम उस पथ पर आकर खड़ा हो गया है जहां से आगे ही जाना होगा, अब पुराने सिस्टम तक लौटकर नहीं जाया जा सकता।

प्रदेश की जनता को सुशासन का अनुभव कराने के लिए यह आवश्यक था कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा' का मंत्र लेकर चला जाए। इसे देखते हुए हमने हरियाणा में सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण करते हुए शासन-प्रशासन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। इससे आम आदमी को सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की आपूर्ति तय हुई है। अभी तक जनता को किसी भी सरकारी विभाग में काम के लिए सरकारी दफ्तरों की खिड़की-खिड़की भटकना पड़ता था। उससे भी अधिक समस्या यह थी कि यहपरिवार पहचान पत्र सरकार के डिजिटलाइजेशन के संकल्प का सबसे बड़ा प्रमाण है। सरकार की सभी सेवाओं का लाभ लोगों को घर बैठे और बिना किसी बाधा के संभव हुआ है। राशन कार्ड बनवाने की दिक्कत से लेकर पैंशन पाने की मशक्कत और जाति प्रमाण-पत्र लेने के लिए दफ्तरों के धक्के खाने की मजबूरी को परिवार पहचान पत्र ने समाप्त कर दिया है। पात्र परिवार को ये सुविधाएं अब केवल परिवार के पंजीकरण के जरिए खुद-ब-खुद मिलने लगी हैं। इतना ही नहीं डिजिटलीकरण ने प्रदेश में नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को भी पारदर्शी बनाया है।

कृषि क्षेत्र में भी हमने डिजिटल गवर्नैंस का उपयोग कर किसानों को बड़ी राहत दी है। फसलों की खरीद को सुविधाजनक बनाने हेतु 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' ई-खरीद पोर्टल शुरू किया गया है। इस पर किसान को अपनी फसल को बेचने तथा अन्य प्रोत्साहनों की राशि सीधे उनके खातों में जमा हो जाती है। सरकार से मिलने वाली राहत या मदद पाने में लोगों को बिचैलियों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए अब प्रदेश में सभी तरह की सामाजिक सुरक्षा पैंशन, सबसिडी और वित्तीय सहायता 'डी.बी.टी.' के माध्यम से दी जाती है। गांवों में मालिकाना हक से संबंधित विवादों पर अंकुश लगाने के लिए लाल डोरा मुक्त करने की योजना शुरू की गई है। राज्य में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार जमीन पर सी.एल.यू. देने में होता था। सी.एल.यू. की पूरी प्रक्रिया को ही अब ऑनलाइन कर दिया गया है। सभी सी.एल.यू 30 दिन में हो जाते हैं और सी.एल.यू. की अनुमति भी ऑनलाइन दी जाती है। भू-रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटलीकरण करने के लिए सभी तहसीलों में समेकित हरियाणा भू-रिकॉर्ड सूचना प्रणाली लागू की गई है। जमीनों की रजिस्ट्री में गड़बड़ी रोकने के लिए रजिस्ट्री के समय प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों आदि के 'बेबाकी प्रमाण पत्र' ऑनलाइन जारी किए जाते हैं। भूमि विवादों के निपटान में 'रिमांड' एक बड़ी बाधा थी। आम आदमी के प्रति प्रशासन की जवाबदेही तय करने और प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिए हमने एक अनोखी पहल 'सी.एम. विंडो पोर्टल' शुरू किया है।

जनता के प्रति प्रशासन की जवाबदेही तय करने और समय पर सेवा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 'ऑटो अपील सॉफ्टवेयर' शुरू किया गया है। इससे 40 विभागों की 425 सेवाओं को जोड़ा गया है। इन सेवाओं के आवेदकों को यदि नियत समय में सेवा नहीं मिलती तो उसकी अपील अपने आप ही उच्चाधिकारी के पास हो जाती है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने अपनी समस्त सेवाएं ऑनलाइन कर दी हैं। बेरोजगार युवाओं को नौकरी के लिए अब बार-बार इंटरव्यू और फीस देने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए सरकार ने 'एकल पंजीकरण की सुविधा शुरू की है। राज्य सरकार ने कर्मचारियों के लिए 'ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी' लागू की है, जिससे स्थानांतरण के नाम पर धंधा करने वालों पर लगाम लगी है। सरकारी कामकाज में तेजी लाने और फाइलों के शीघ्र निपटान के लिए 'ई-ऑफिस' की शुरूआत की गई है। जय हिंद!

अब सिख राजनीति की ओर चले सुखपाल सिंह खैहरा

कभी आम आदमी पार्टी के विधायक और विधानसभा में विपक्षी दल के नेता रहे कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने विभिन्न मामलों में जमानत पर बाहर आने के बाद सिख मुद्दों पर बयान दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि खैहरा कांग्रेस की सिखों के प्रति नीति से हट कर...

-इकबाल सिंह चन्नी (भाजपा प्रवक्ता पंजाब)

सिख सियासत करेंगे। हालांकि सुखपाल सिंह खैहरा आज कांग्रेस पार्टी के विधायक हैं, लेकिन वह पूर्व अकाली नेता और पंजाब के पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. सुखजिंद्र सिंह के बेटे हैं, जो सिख मांगों के समर्थक थे और भारत के संविधान को सिख विरोधी मानते थे। सुखपाल सिंह खैहरा ने पहले भी प्रैस कांफ्रैंस कर कांग्रेस हाईकमान को चेतावनी दी थी कि अगर कांग्रेस सिख अधिकारों की बात नहीं करेगी तो उसे सिखों के वोट कैसे मिलेंगे। उन्होंने सिख मुद्दों के पक्ष में न बोलने के लिए सुखबीर सिंह बादल और भगवंत सिंह मान पर भी सवाल उठाए हैं। इससे भी आगे बढ़ते हुए उन्होंने अपने पिता सुखजिंद्र सिंह के जीवन के बारे में बताया। उनके संत जरनैल सिंह भिंडरांवाले के साथ नजदीकी संबंध, उनकी ओर से सिख मुद्दों को लेकर बार-बार जेल की यात्रा करना और एन.एस.ए. जैसे सख्त कानून के अधीन सरकार की ओर से जेल में बंद करने का जिक्र किया है। गत दिनों जेल में रहने के दौरान उन्होंने अपनी छवि भी एक सिख अकाली नेता के तौर पर बनानी शुरू कर दी है। उन्होंने अपने जेल के दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां उन्होंने कई किताबें पढ़ीं, जिससे उनकी जिंदगी बदल गई। इन सभी बातों से साफ संकेत मिलता है कि सुखपाल सिंह खैहरा अकाली दल में नेतृत्व की रिक्तता को भरने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं और एक सिख नेता के रूप में उभरने की कोशिश कर रहे हैं। बसपा के बाद अकाली दल बादल वामपंथी दलों के साथ मिल सकता है। अकाली दल बादल बसपा के बाद वामदलों के साथ गठजोड़ कर सकता है = पिछले कई दिनों से इस बात को लेकर चर्चा चल रही थी कि शिरोमणि अकाली दल और

बसपा के बीच गठबंधन जारी रहेगा या नहीं, इस चर्चा को तब और बल मिला जब बसपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष जसबीर सिंह गढ़ी ने बयान दिया कि ज्यादातर घर भूखे हैं। इसके बाद बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी बयान दिया था कि ज्यादा घरों का मेहमान भूखा रह जाता है।

मायावती ने भी यह बयान दे दिया कि बसपा देशभर में अकेले ही चुनाव लड़ेगी। इस बयान से बसपा और अकाली दल के गठजोड़ के कायम रहने पर और भी संशय खड़े हो गए और ऐसा प्रतीत होने लगा कि अब बसपा और अकाली दल का गठबंधन टूट जाएगा और अकाली दल भाजपा के साथ समझौता कर सकता है। परन्तु मायावती ने इन सभी अटकलों के उलट पंजाब में अकाली-बसपा समझौते को बरकरार रखने का ऐलान कर दिया। मायावती के इस बयान से अकाली दल को राहत तो मिल गई, लेकिन सवाल यह है कि क्या अकाली दल और बसपा गठबंधन लोकसभा चुनाव जीत पाएगा या नहीं। पिछले 2 लोकसभा उपचुनावों के नतीजों पर नजर डालें तो यह मुश्किल लगता है क्योंकि संगरूर लोकसभा चुनाव में अकाली-बसपा गठबंधन के बावजूद अकाली उम्मीदवार 5वें स्थान पर रहे थे और जालंधर के नतीजे में अकाली उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे। ऐसे में बसपा और अकाली गठजोड़ के लिए अपने बल पर लोकसभा चुनाव जीतना आसान काम नहीं है। इसलिए अकाली दल भाजपा से गठबंधन न बनने की स्थिति में अन्य संभावनाएं तलाश रहा है। इस बात की पुष्टि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भूंदड़ के एक अंग्रेजी अखबार को दिए बयान से भी होती है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अकाली दल गठबंधन का विस्तार करने की कोशिश करेगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के साथ समझौते से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि ये दोनों पार्टियां 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हैं लेकिन राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है और फिर भी दोनों पार्टियां पहले भी अकाली दल के साथ गठबंधन कर चुकी हैं। भाई काऊंके की रिपोर्ट को कमेटियों में भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए = श्री अकाल तख्त साहब के पूर्व जत्थेदार स्व. भाई गुरदेव सिंह काऊंके के बारे में पुलिस महानिदेशक बी.पी. तिवारी की जांच रिपोर्ट एक मानवाधिकार संगठन द्वारा श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को सौंपे जाने और सार्वजनिक किए जाने के बाद शिरोमणि कमेटी द्वारा वकीलों की 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया और शिरोमणि कमेटी ने दावा किया कि इस रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई है। हालांकि, शुरूआत में अकाली दल ने इस समिति पर आपत्ति जताई थी, लेकिन बाद में सिख संगत और संगठनों के दबाव के कारण सुखबीर सिंह बादल ने इस समिति के साथ सामंजस्य दिखाना शुरू कर दिया। शिरोमणि कमेटी के नेताओं के साथ सुखबीर सिंह बादल भी अपने परिवार के साथ भाई काऊंके के परिवार से मिलने पहुंचे। लेकिन सिख नेताओं भाई जसबीर सिंह रोडे, भाई बलजीत सिंह दादूवाल, भाई मोहकम सिंह और मंजीत सिंह भोमा और अन्य ने शिरोमणि समिति की कार्रवाई को अपर्याप्त बताया और जालंधर में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया। इस कमेटी ने भाई काऊंके के मामले में न्याय के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए 10 फरवरी को एक बड़ी बैठक करने का फैसला किया है। संगठन ने जहां सिखों से इस समागम में शामिल होने की अपील की है, वहीं राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक और अन्य क्षेत्रों में प्रसिद्धि हासिल कर रही सिख हस्तियों को भी खुला निमंत्रण दिया है। लेकिन इस सभा में शिरोमणि कमेटी और अकाली दल बादल के प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद नहीं है क्योंकि कमेटी इन दोनों संगठनों को अलग से कोई निमंत्रण पत्र जारी नहीं कर रही है। इस बीच, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने भी एडवोकेट छिंद्रपाल सिंह बराड़ के नेतृत्व में वकीलों की 5 सदस्यीय समिति का गठन किया है। बताया जा रहा है कि यह कमेटी 10 फरवरी को होने वाली सभा में भाई काऊंके के बारे तैयार की गई रिपोर्ट सभा में पेश करेगी। इस तरह एक ही मुद्दे पर तीन अलग-अलग कमेटियां होने से यह मसला सुलझने की बजाय उलझ सकता है। इसलिए, सिख नेताओं को इस मुद्दे को सुलझाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

रियल एस्टेट में विदेश निवेशकों का निवेश 2023 में 30 प्रतिशत घटा : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेशकों से धन प्रवाह पिछले साल (2023 में) 30 प्रतिशत घटकर 2.73 अरब डॉलर रह गया है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी वेस्टियन का कहना है कि लेकिन इस खंड में घरेलू निवेशकों से यह प्रवाह दो गुना से अधिक बढ़कर 1.51 अरब डॉलर हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश 2023 में 12 प्रतिशत घटकर 4.3 अरब डॉलर रह गया, जो 2022 में 4.9 अरब डॉलर था। परामर्श कंपनी ने कहा कि विदेशी निवेशकों के सतर्क रुख के कारण उनका निवेश सालाना आधार पर 30 प्रतिशत गिर गया लेकिन घरेलू निवेशकों का निवेश 120 प्रतिशत बढ़ गया। घरेलू निवेशकों ने पिछले साल 1.51 अरब डॉलर का निवेश किया, जबकि 2022 वर्ष में यह 68.7 करोड़ डॉलर था। हालांकि, विदेशी कोष का प्रवाह पिछले साल कम होकर 2.73 अरब डॉलर रहा, जबकि 2022 में यह 3.92 अरब डॉलर था। इस प्रकार, रियल एस्टेट में घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 2022 में 14 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 35 प्रतिशत हो गई। वेस्टियन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीनिवास राव ने कहा, रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग में अनिश्चितता के बावजूद पूरे वर्ष निवेश मजबूत रहा। घरेलू निवेशकों की सकारात्मक धारणा ने रियल एस्टेट बाजार को उत्साहित बनाए रखा। हालांकि, साल 2023 में निवेश पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच गया, लेकिन वेस्टियन को भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन और योजनाबद्ध बुनियादी ढांचे के विकास की एक स्वस्थ प्रक्रिया के दम पर 2024 में पुनरुत्थान की उम्मीद है। भारतीय रियल एस्टेट में 2019 में संस्थागत निवेश 6.5 अरब डॉलर था। साल 2020 में निवेश 5.9 अरब डॉलर और 2021 में 4.8 अरब डॉलर था।

खुलने से पहले ग्रे मार्केट में तूफान मचा रहा यह आईपीओ, 160 प्रीमियम पर भाव, 135 प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी ऐसे आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं जिसमें कि आपको पहले ही दिन मुनाफा हो सकता है तो आपके लिए यह काम की खबर है। अगले सप्ताह एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। यह आईपीओ बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड का है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 30 जनवरी से दांव लगा सकेंगे। मेनबोर्ड इश्यू 1 फरवरी 2024 यानी अगले हफ्ते गुरुवार तक खुला रहेगा। डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 129 से 135 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। बता दें कि कंपनी ने अपने आईपीओ के जरिए 310.91 करोड़ जुटाने का टारगेट रखा है। एक बोलीदाता लॉट में आवेदन करने में सक्षम होगा और बुक बिल्ड इश्यू के एक लॉट में 108 कंपनी के शेयर शामिल होंगे। शेयर अलॉटमेंट को फाइनल रूप 2 फरवरी 2024 यानी अगले सप्ताह शुक्रवार को दिया जा सकता है। केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को बुक बिल्ड इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। आईपीओ बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होने के लिए प्रस्तावित है। इस बीच, बीएलएस ई-सर्विसेज आईपीओ सब्सक्रिप्शन खुलने की तारीख से पहले कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में कारोबार के लिए उपलब्ध हैं। शेयर बाजार जानकारों के अनुसार, बीएलएस ई-सर्विसेज के शेयर की कीमत आज ग्रे मार्केट में 160 के प्रीमियम पर बोली जा रही है।

दाल, राजमा, मटर समेत खाने-पीने की कई चीजों पर भी पड़ रही है महंगाई की मार

इस्रायल और हमास के युद्ध की आंच भारत भी पहुंच रही है ▶▶ इससे आयातित दाल और खाद्य तेल महंगे होने लगे हैं

दरअसल, युद्ध की वजह से लाल सागर होकर आने-जाने वाले मालवाहक जहाजों का आवागमन ठप हुआ है

नई दिल्ली, एजेंसी। इस्राइल-हमास युद्ध के बाद लाल सागर में माल ढोने वाले जहाजों पर हमले के खतरे से अब भारत का व्यापार प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि भारत से चावल का निर्यात न होने से चावल के दामों में गिरावट आई है, जबकि दाल समेत अन्य चीजों का आयात न होने से लोगों पर महंगाई की मार पड़ने की आशंका बनी हुई है। व्यापारियों का दावा है कि अगर इस समस्या से निजात नहीं मिली तो आने वाले दिनों में कई सामानों के रेट में उछाल आ सकता है।

सामानों की सप्लाई प्रभावित : एग्री फार्मर एंड ट्रेड असोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील बलदेवा ने बताया कि बीते कुछ दिनों से लाल सागर के जरिए सामानों की सप्लाई प्रभावित हुई है। क्योंकि लाल सागर के जरिए जहाजों पर हमले का खतरा है। इससे शिपिंग कंपनियों ने प्रति टन सामानों की ढुलाई में 30 से 50 डॉलर की वृद्धि कर दी है, जिससे व्यापारी परेशान हैं।

चावल हो गया सस्ता

इस युद्ध की वजह से भारत से चावलों का निर्यात नहीं हो पा रहा है। इससे चावल के दाम भरभरा कर गिर गए हैं। नया बाजार के चावल कारोबारी सचिन शर्मा ने बताया कि विदेशों में चावल की सप्लाई भारत से होती है, लेकिन लाल सागर से चावल की होने वाली सप्लाई ठप होने से बीते दस दिनों में बासमती के चावल में प्रति किलो 10 रुपये तक की गिरावट आई है। साथ ही दूसरे देशों से चावल का ऑर्डर लेने वाले व्यापारी भी सप्लाई न देने से परेशान हैं।

शिपिंग कंपनियों ने बढ़ाया किराया

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स असोसिएशन के दिल्ली अध्यक्ष विपिन आहूजा ने बताया कि शिपिंग कंपनियों ने किराया काफी बढ़ा दिया है, जिससे लाल सागर के जरिए खाने के सामान से लेकर रॉ मटीरियल की सप्लाई प्रभावित हो गई है। इसकी वजह से कुछ चीजों की कीमत में बढ़ोतरी होने की आशंका है। साथ ही कई व्यापारी इस लिए परेशान हैं। सरकार को इस पर कोई रास्ता निकालने की जरूरत है।

कई कमोडिटी की सप्लाई ठप

बाजार में इस समय कई सामानों की सप्लाई लगभग ठप हो चुकी है। सुनील के मुताबिक, अफ्रीका से अरहर की दाल की सप्लाई भारत में होती है, लेकिन सप्लाई चेन प्रभावित होने से बीते कुछ दिनों में अरहर दाल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, चावल, सफेद मटर से लेकर कई चीजों की सप्लाई प्रभावित है। साथ ही कनाडा से आने वाले सनफ्लावर और पीले सरसों के तेल की सप्लाई पर भी असर पड़ा है।

शेयर बाजार में निवेशकों के डूबे 1.16 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का सामूहिक बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह 1.16 लाख करोड़ रुपये घट गया। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 982.56 अंक या 1.37 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

शीर्ष 10 सबसे कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और भारती एयरटेल की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 32,661.45 करोड़ रुपये घटकर 10,90,001.31 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 20,682.74 करोड़ रुपये घटकर 5,71,337.04 करोड़ रुपये पर आ गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 19,173.43 करोड़ रुपये घटकर 13,93,439.94 करोड़ रुपये और एसबीआई का पूंजीकरण 16,599.77 करोड़ रुपये के नुकसान से 5,46,989.47 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 15,908.1 करोड़ रुपये घटकर 5,68,262.28 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की 9,210.4 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,70,974.17 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में 1,928.22 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 18,33,737.60 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 20,727.87 करोड़ रुपये बढ़कर 6,52,407.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 431 परियोजनाओं की लागत 4.82 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 431 परियोजनाओं की लागत दिसंबर, 2023 तक तय अनुमान से 4.82 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की दिसंबर, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,820 परियोजनाओं में से 431 की लागत बढ़ गई है, जबकि 848 अन्य परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''इन 1,820 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 25,87,066.08 करोड़ रुपए थी लेकिन अब इसके बढ़कर 30,69,595.88 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 18.65 प्रतिशत यानी 4,82,529.80 करोड़ रुपए बढ़ गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 16,26,813.80 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 53 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 638 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 298 परियोजनाओं के चालू होने के समय की जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 848 परियोजनाओं में से 202 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 200 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 323 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 123 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 848 परियोजनाओं में विलंब का औसत 36.59 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अंतरिम बजट, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत ब्याज दर पर निर्णय और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए विदेशी निवेशकों की गतिविधियों तथा वैश्विक रुख पर नजर रखेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर विनिर्माण क्षेत्र के लिए पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) का आंकड़ा बृहस्पतिवार को आएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी (बृहस्पतिवार) को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक 30 और 31 जनवरी को होगी।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से पहले बाजार एक दायरे में रहेगा। माना जा रहा है कि इस बैठक में अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दर को यथावत रखेगा और आगे नीतिगत दर में कटौती की समयसीमा के बारे में संकेत

देगा। इसके अलावा बीओई (बैंक ऑफ इंग्लैंड) की मौद्रिक नीति भी आने वाली है। साथ ही कुछ प्रमुख आर्थिक आंकड़े आने हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा इस सप्ताह कई दिग्गज कंपनियां अपने तिमाही नतीजे जारी करेंगी। ऐसे में बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

सप्ताह के दौरान अडानी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी इंडिया, टाइटन और इंटरग्लोब एविएशन अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एंजल वन के तकनीकी विश्लेषक राजेश भोसले ने कहा कि यह सप्ताह महत्वपूर्ण है। सप्ताह के दौरान बजट का महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह आमतौर पर आगे बाजार की दिशा तय करता है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आगे चलकर प्रमुख देशों के नीतिगत दर पर निर्णय जैसे वैश्विक कारक बाजार को प्रभावित करेंगे। मौजूदा तिमाही नतीजों के सीजन की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 982.56 अंक या 1.37 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 269.8 अंक या 1.24 प्रतिशत की गिरावट आई। एक्सिस सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह आम चुनाव से पहले अंतरिम बजट है। ऐसे में इसमें बड़ी घोषणाओं की उम्मीद नहीं है। ''हमारा मानना है कि बजट में वृद्धि की रूपरेखा को कायम रखने पर जोर होगा। साथ ही इसमें कुछ लोकलुभावन घोषणा भी हो सकती है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''बजट, तिमाही नतीजे और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय से बाजार को दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू कारकों के अलावा बाजार वैश्विक घटनाक्रमों से प्रभावित होगा। इनमें भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और कच्चे तेल के दाम शामिल हैं।

आयकर लाभ, महिला उद्यमियों को समर्थन की उम्मीद

कोलकाता एजेंसी। विशेषज्ञों को अंतरिम बजट में आयकर छूट सीमा में वृद्धि, महिला उद्यमियों को समर्थन, दीर्घकालिक कराधान नीति और उपभोग तथा बचत को बढ़ावा दिए जाने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश करेंगी। अखिल भारतीय कर पेशेवर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण जैन ने कहा, यह एक अंतरिम बजट होगा लेकिन इसमें पूर्ण-बजट के लिए कुछ संकेत हो सकते हैं। धारा 87ए के तहत व्यक्तिगत करदाताओं को कुछ रियायत दी जा सकती है। इसके तहत कुल कर छूट सीमा को सात लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपए किया जा सकता है।

भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एन जी खेतान ने कहा कि छोटी और मझोली कंपनियों को समान अवसर देने के लिए कंपनियों, साझेदारियों और सीमित देयता साझेदारियों (एलएलपी) के बीच दीर्घकालिक कराधान नीति और कराधान में समानता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई पर अधिक कर लगाया जाता है जबकि देश की जीडीपी और रोजगार सृजन में उनका बहुत बड़ा योगदान है।

बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के राजकोषीय मामलों और कराधान समिति के चेयरपर्सन विवेक जालान ने उम्मीद जताई कि व्यक्तिगत आय कराधान के लिए कुछ कटौतियों को शामिल करते हुए एक सरली योजना शुरू की जा सकती है। फिक्की महिला संगठन (कोलकाता चैप्टर) की चेयरपर्सन राधिका डालमिया ने महिला उद्यमियों के लिए कर में छूट और अधिक मातृत्व अवकाश की वकालत की।

2027-28 तक भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2027-28 तक भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रत्येक भागीदार के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत की जीडीपी को 5,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करना होगा। वित्त मंत्री ने साथ ही जोड़ा कि सीमा शुल्क विभाग की फेसलेस मूल्यांकन और एकल खिड़की निपटान जैसी पहलों को विकसित करने की जरूरत है। सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस 2024 के अवसर पर एक लिखित संदेश में कहा कि भारत के अमृत काल के दौरान सभी हितधारकों को एक साथ आने और नागरिकों को लाभ पहुंचाने के लिए योगदान करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस साल अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस का ध्येय वाक्य परंपरागत और नए साझेदारों को उद्देश्य से जोड़ने वाला सीमा शुल्क है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारे सबका साथ - सबका विकास की गूंज सुनाई देती है। सीतारमण ने कहा, भारत को 2027-28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हर साझेदार को सहयोग करने की जरूरत है।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन की कुर्सी को खतरा, रोज गंवाए एक अरब डॉलर से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कुर्सी खतरे में है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 30.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। यानी मस्क ने रोजाना एक अरब डॉलर से अधिक गंवाए हैं। पिछले साल मस्क दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स थे। उनकी झोली में कैलेंयर ईयर 2023 में 92 अरब डॉलर की रकम आई थी। लेकिन नया साल उनके लिए भारी पड़ रहा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 199 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नंबर एक का ताज गंवाने के करीब पहुंच गए हैं। मस्क की कंपनी टेस्ला भी मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की टॉप 10 कंपनियों से बाहर हो चुकी है। हालांकि फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलिनेयर लिस्ट की मानें तो मस्क पहले यह ताज गंवा चुके हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट उनसे आगे निकल चुके हैं।

फोर्ब्स की लिस्ट

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक ऐमजॉन के जेफ बेजोस 184 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। यानी मस्क और बेजोस की नेटवर्थ में अब केवल 15 अरब डॉलर का अंतर रह गया है। बेजोस की नेटवर्थ में इस साल 7.25 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस लिस्ट में आरनॉल्ट 183 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ इस साल 3.93 अरब डॉलर बढ़ी है। बिल गेट्स चौथे (144 अरब डॉलर), मार्क जकरबर्ग (142 अरब डॉलर) पांचवें, स्टीव बालमर (140 अरब डॉलर) छठे, लैरी पेज (137 अरब डॉलर) सातवें, सर्गेई ब्रिन (129 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (128 अरब डॉलर) नौवें और लैरी एलिसन (128 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। मुकेश अंबानी (101 अरब डॉलर) 12वें और गौतम अडानी (91.6 अरब डॉलर) 14वें नंबर पर हैं।

फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलिनेयर लिस्ट की मानें तो बर्नार्ड आरनॉल्ट एंड फैमिली 207.6 अरब डॉलर के साथ पहले नंबर पर है। एलन मस्क 204.7 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। इस लिस्ट में बेजोस 181.3 अरब डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर हैं। एलिसन (142.2 अरब डॉलर) चौथे, जकरबर्ग (139.1 अरब डॉलर) पांचवें, बफे (127.2 अरब डॉलर) छठे, लैरी पेज (127.1 अरब डॉलर) सातवें, गेट्स (122.9 अरब डॉलर) आठवें, ब्रिन (121.7 अरब डॉलर) नौवें और बालमर (118.8 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। इस लिस्ट में भारत के मुकेश अंबानी 104.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 11वें और गौतम अडानी 75.7 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 16वें नंबर पर हैं।

बजट 2024: वाहन कंपनियों को भरोसा, हरित परिवहन को बढ़ावा देना जारी रखेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन क्षेत्र की कुछ प्रमुख कंपनियों का मानना है कि सरकार को आगामी बजट में हरित परिवहन को बढ़ावा देने की नीति को जारी रखने की जरूरत है। उनका कहना है कि इसके अलावा बुनियादी ढांचा क्षेत्र की विकास की रफ्तार को भी कायम रखने की जरूरत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी।

मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं पर पूंजीगत व्यय जारी रहेगा। सरकार को हरित परिवहन के लिए नीतिगत प्रोत्साहन पर ध्यान जारी रखना चाहिए। इससे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ाने में मदद मिलेगी। अय्यर ने कहा कि लक्जरी कार उद्योग देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान

देता है। ऐसे में यह क्षेत्र चाहता है कि प्राथमिकता के आधार पर शुल्क ढांचे और जीएसटी को सुसंगत किया जाए। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर हमें आगामी बजट में किसी तरह के 'आश्चर्य की उम्मीद नहीं है। फिलहाल लक्जरी वाहनों पर 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता है। साथ ही सेडान पर 20 प्रतिशत और एसयूवी पर 22 प्रतिशत का अतिरिक्त उपकर लगता है। ऐसे में इन वाहनों पर कुल कर करीब 50 प्रतिशत बैठता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उप-प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट योजना, वित्त एवं प्रशासन और विनिर्माण) स्वप्नेश आर मारू ने कहा कि वाहन विनिर्माताओं को भरोसा है कि सरकार अर्थव्यवस्था और परिवहन क्षेत्र को एक ऐसे हरित भविष्य में स्थानांतरित करने की दिशा में अपना प्रयास जारी रखेगी जो जीवाश्म ईंधन पर कम निर्भर हो। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रघुपति सिंघानिया ने कहा कि वाहन क्षेत्र के लिए सतत नीतियों से इस क्षेत्र का विस्तार होगा।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुमन मिश्रा ने कहा कि समावेशी आय सृजन, इलेक्ट्रिक तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों के जरिये लोग वित्तीय रूप से सशक्त हो रहे हैं। हम बजट में भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और विनिर्माण (फेम) की योजना के जरिये इस क्षेत्र को प्राथमिकता देने की उम्मीद करते हैं। पीएचएफ लीजिंग लि. के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शल्य गुप्ता ने कहा कि सरकार 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। ऐसे में हल्के वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईएलसीवी) न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं, बल्कि कम उत्सर्जन के समाधान की भी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार ईएलसीवी पर न केवल सब्सिडी समर्थन जारी रखेगी।

बीज का महत्व एवं उत्पादन तकनीकी

प्रदेश के कृषि में बीज गुणता का विशिष्ट महत्व है क्योंकि हमारे यहॉ फसलों की आवश्यकतानुसार सर्वोत्त जलवायु होते हुए भी लगभग सभी फसलों का औसत उत्पादन बहुत ही कम है। जिसका प्रमुख कारण प्रदेश के कृषकों द्वारा कम गुणता वाले बीजों का लगातार प्रयोग है। जिससे फसलों में दी जाने वाली अन्य लागतों का भी हमें पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता है। फसलों में लगने वाले अन्य लागत का अधिकतम लाभ अच्छी गुणता वाले बीजों का प्रयोग करके ही लिया जा सकता है। उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज के प्रयोग से ही लगभग 20 प्रतिशत उत्पादकता/उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।

अतः किसान भाईयों को चाहिए कि वे अपनी फसलों के बीज जैस-धान, गेहूं, समस्त दलहनी फसलें एवं राई-सरसों तथा सूरजमुखी को छोड़कर समस्त दलहनी फसलों का बीज प्रत्येक तीन वर्ष में बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।इसी प्रकार ज्वार, बाजरा, मक्का, सूरजमुखी, अरण्डी एवं राई/सरसों की फसलों में प्रत्येक तीन वर्षा पर बीज बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।उस बीज को उत्तम कोटि का माना जाता है जिसमें आनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो, रोग व कीट के प्रभाव से मुक्त हो, जिसमें शक्ति और ओज भरपूर हो तथा उसकी अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो, जिसमें खेत में जमाव और अन्ततः उपज अच्छी हो।

कृषि विभाग द्वारा खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के विभिन्न प्रजाति के प्रमाणित बीजों का वितरण सभी जनपदों के विकास खण्ड स्थिति बीज भण्डार के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है।

अतः किसान भाईयों से अनुरोध है कि अपने विकास खण्ड से बीज प्राप्त कर अपने पुराने बीजों को बदलते हुए प्रमाणित बीजों से बुवाई करें, जिससे उनकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हो।

शोधित बीज बच जाने पर पुनः प्रयोग करें। बीज प्रयोगशाला से पुनः जमाव परीक्षण कराकर मानक के अनुरूप होने पर पुनः बोया जा सकता है।

देश एवं प्रदेश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या की जीविका कृषि पर आधारित है। जिसके आर्थिक एवं सामाजिक स्तर में वांछित सुधार केवल खेती के सुदृढ़ीकरण से ही संभव हैं। इन उन्नतिशील प्रजातियों के उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों का टिकाऊ कृषि उत्पादन में उच्च स्थान है। कृषकों को मात्र नवीनतम प्रजातियों के प्रमाणित बीज ही उपलब्ध करा देने से उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

प्रदेश में गेहूं, धन एवं अन्य फसलों की प्रतिस्थापना दर क्रमशः 30, 25, एवं 5-8 प्रतिशत के लगभग हैं जबकि संकर बीजों के प्रयोग से 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त होती है

बीज

पौधे का वह भाग जिसमें भ्रूण अवस्थित है, जिसकी अंकुरण क्षमता, आनुवंशिक एवं भौतिक शुद्धता तथा नमी आदि मानकों के अनुरूप होने के साथ ही बीज जनित रोगों से मुक्त है।

गुणवत्ता

बीजों की गुणवत्ता को वॉछित स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए बीज प्रमाणीकरण का प्राविधान है। जनक बीजों का प्रमाणीकरण गठित समिति द्वारा किया जाता है जबकि आधारीय एवं प्रमाणिता बीजों का प्रमाणीकरण का उत्तरदायित्व प्रदेश की बीज प्रमाणीकरण संस्था का है। प्रमाणीकरण की प्रक्रिया निम्न चरण में पूर्ण की जाती है।

1. बीज का सत्यापन

आधारीय एवं प्रमाणित बीजों के उत्पादन हेतु क्रमशः प्रजनक एवं आधारीय बीजों का प्रयोग आवश्यक है। उसी श्रेणी के बीज से उसी श्रेणी के बीज उत्पादन की अनुमति विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। बीज प्रमाणीकरण संस्था निरीक्षण के समय बिल, भण्डार रसीद तथा टैग से बीज स्रोत का सत्यापन करती है।

2. फसल निरीक्षण

पुष्पावस्था एवं फसल पकने के समय दो निरीक्षण आवश्यक हैं। निरीक्षण के समय बीज फसल में अवॉछित पौधे नहीं होने चाहिए। फसल भी खरपतवार रहित होनी चाहिए। निरीक्षण के समय खेत में जगह-जगह पर काउन्ट लिये जाते हैं। काउन्ट की संख्या खेत क्षेत्रफल तथा एक काउन्ट पौधों की संख्या पर निर्भर करती है। यदि काउन्ट में आवॉदित पौधों की संख्या निर्धारित मानक से अधिक है तो फसल निरस्त कर दी जाती है।

3. प्रयोगशाला परीक्षण

विधायन के उपरान्त प्रत्येक लाट से न्यायदर्श लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेज दिया जाता है। जनक बीजों का परीक्षण विश्वविद्यालय की तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों का परीक्षण बीज प्रमाणीकरण संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है। यदि कोई न्यायदर्श बीज मानक के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो उसको निरस्त कर दिया जाता है। आधारीय व प्रमाणित बीजों का परीक्षण बीज प्रमाणीकर संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है। यदि कोई न्यायदर्श बीज मानक के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो उसकों निरस्त कर दिया जाता है।

4. टैगिंग

विधियन के उपरान्त बीजों को ऐसे आकार के थैलों में भरा जाता है कि उसमें एक एकड़ बुवाई हेतु बीज आ जाय। जनक बीज पर सुनहरी पीले रंग का टैग सम्बन्धित प्रजनक तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों पर क्रमशः सफेद व नीले रंग के टैग बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा उपलब्ध कराये जाते है।

बीज के प्रकार

केन्द्रीय प्रजाति विमोचन समिति (सी0वी0आर0सी0) के विमोचन एवं भारत सरकार की अधिसूचना के उपरान्त ही बीज उत्पादति किया जा सकता है। अधिसूचित फसलों/प्रजातियों की निम्न श्रेणियॉ होती है।

1. प्रजनक बीज

यह बीज नाभकीय (न्यूक्लियस) बीज से बीज प्रजनक अथवा सम्बन्धित पादक प्रजनक की देखरेख में उत्पादित किया जाता है जिसकी आनुवंशिक एवं उच्च गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यह आधारीय बीज के उत्पादन का स्रोत है। इस बीज के थैलों पर सुनहरा पीला (गोल्डन) रंग का टैग लगता है जिसे सम्बन्धित अभिजनक द्वारा जारी किया जाता है।

2. आधारीय बीज

इस बीज का उत्पादन प्रजनक बीज से किया जाता है आवश्यकतानुसार आधारीय प्रथम से आधारीय द्वितीय बीज का उत्पादन किया है। इसकी उत्पादन, संसाधन, पैकिंग, रसायन उपचार एवं लेबलिंग आदि प्रक्रिया बीज प्रमाणीकरण संस्था की देखरेख में मानकों के अनुरूप होती है। इसके थैलों में लगने वाले टैग का रंग सफेद होता है।

3. प्रमाणित बीज

कृषकों को फसल उत्पादन हेतु बेचे जाने वाला बीज प्रमाणित बीज है जिसका उत्पादन आधारीय बीज से बीज प्रमाणीकरण संस्था की देख रेख में मानकों के अनुरूप किया जाता है। प्रमाणित बीज के टैग का रंग नीला होता है।

4. सत्यापित बीज (टी0एल0)

इसका उत्पादन, उत्पादन संस्था द्वारा आधारीय/प्रमाणित बीज से मानकों के अनुरूप किया जाता है। उत्पादन संस्था का लेविल लगा होता है या थैले पर उत्पादक संस्था द्वारा नियमानुसार जानकारी उपलब्ध कराई होती है।

बीज उत्पादन तकनीकी प्रक्रिया

इस विधि में एक योजना बनाकर बीज मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक तरीकों से उत्पादित किया जाता है ताकि उत्पादन, संसाधन, भण्डारण एवं वितरण का कार्य प्रभावी ढंग से निष्पादित एवं बीज की गुणवत्ता बीज के बोने तक बनी रहे। इस प्रक्रिया की निम्न विशेषतायें हैं आनुवंशिक एवं भौतिक रूप से शुद्ध आधार बीज का उपयोग किया जाता है।उन्नत कृषि सस्य विधियों एवं फसल सुरक्षा को अपनाया जाता है।आनुवंशिक या भौतिक संदुषण के स्रोतों से निर्दिष्ट प्रथक्करण दूरी का ध्यान रखा जाता है।अनुपयुक्त पौधों की बीज फसल से समय पर निकाला जाता है।खरपतवार और अन्य फसलों के पौधों को भी समय से निष्कासित किया जाता है ताकि इन बीजों का फसल बीजों में मिश्रण न हो पायें।रोगग्रस्त पौधों को भी समय से रोग फैलाने के पूर्व निकाल दिया जाता है।बीज फसल की कटाई, गहाई, मड़ाई, सफाई आदि में विशेष सावधानी रखी जाती है ताकि यॉत्रिक क्षति एवं मिश्रण न हो।भण्डारण के समय कीट, रोग संक्रमण आदि की रोकथाम हेतु विशेष ध्यान दिया जाता है।आनुवंशिक एवं भौतिक शुद्धता की जॉच के लिए परीक्षण किये जाते हैं इसके अतिरिक्त अंकुरण परीक्षण, आद्रता परीक्षण आदि भी किये जाते हैं।बीजों का संसाधन विशेष सर्तकता के साथ किया जाता है ताकि बीजों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनी रहे।संसाधित बीज को उपयुक्त थैलों में भरकर प्रमाण पत्र संलग्न कर सील किया जाता है।न्यून तापमान एवं आद्रता पर बीजों का भण्डारण किया जाता है जिससे रोग एवं कीट से बीज सुरक्षित रहे एवं अंकुरण क्षमता प्रभावित न हो।

फसलों के अवशेष

पौधों के बढ़वार हेतु 16 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिसमें कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन प्रकृति से प्राप्त होता है ये तत्व पौधों के लगभग 95 प्रतिशत भाग के निर्माण में सहायक हैं। उक्त के अतिरिक्त नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर तथा सूक्ष्म पोषक तत्व के रूप में लोहा, जिंक, आयरन, बोरॉन, मालिब्डेनम, कॉपर, क्लोरीन तत्व पौधों के बढ़वारन एवं उत्पादन में सहायक होते हैं।

उक्त से स्पष्ट है कि पौधों के विभिन्न अंगों (जड़, तना, फूल, फल, दाना आदि) के बढ़ने हेतु उक्त पोषक तत्व पौधों के जड़ों द्वारा, पत्तियों द्वारा, तनों द्वारा मृदा से अथवा

वातावरण से ग्रहण करते हैं। जब किसान भाई खरीफ, रबी जायद की फसलों की कटाई, मढ़ाई करते हैं तो जड़, तना, पत्तियॉं के रूपों में पादप अवशेष भूमि के अन्दर एवं भूमि के ऊपर उपलब्ध होते हैं। इनको यदि लगभग 20 किग्रा0 यूरिया प्रति एकड़ की दर से मिट्टी पलटने वाले हल से/रोटावेटर से जुताई/पलेवा के समय मिला देने से पादप अवशेष लगभग बीस से तीस दिन के भीतर जमीन में सड़ जाते हैं जिससे मृदा में कार्बनिक पदार्थों एवं अन्य तत्वों की बढ़ोत्तरी होती है। फलस्वरूप फसलों के उत्पादन पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। यदि भूमि में उक्त विधि से पादप अवशेष मिलाते हैं तो निम्न प्रकार के लाभ प्राप्त कर सकते हैं। एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के घट के रूप में फसल अवशेष भी अहम योगदान प्रदान करता है। फलस्वरूप मृदा में कार्बनिक पदार्थ की बढ़ोत्तरी से मृदा जीवाणुओं की क्रियाशीलता बढ़ती है जिसके कारण उत्पादन पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।वातावरण को विपरीत परिस्थितियों से बचाने में सहायक है।दलहनी फसलों के फसल अवशेष भूमि में नत्रजन एवं अन्य पोषक तत्वों की मात्रा को बढ़ाने में सहायक हैं।फसल अवशेष कम्पोस्ट खाद बनाने में सहायक है जो कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक क्रियाओं में लाभदायक है।पादप अवशेष मल्च के रूप में प्रयोग करने में मृदा जल संरक्षण के साथ-साथ फसलों को खरपतवारों से बचाने में सहायक है।मृदा के जीवांश में हो रहे लगातार ह्रास को कम करने में योगदान करता है।मृदा जलधारण क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। मृदा वायु संचार में बढ़ोत्तरी होती है।

कृषक भाई यदि फसल अवशेष जलाते हैं तो उनसे होने वाली हानियां निम्नवत हैं

फसलों के अवशेषों को जलाने से उनके जड़, तना, पत्तियों में संचित लाभदायक पोषक तत्वों का नष्ट हो जाना।फसल अवशेषों को जलाने से मृदा ताप में बढ़ोत्तरी होती है जिसके कारण मृदा के भौतिक, रसायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।पादप अवशेषों में लाभदायक मित्र कीट जलकर मर जाते हैं जिसके कराण वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।पशुओं के चारे की व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जहॉं पर कम्बाईन का प्रयोग फसलों के कटाई में करते हैं वहॉं पर फसलों के अवशेष डण्ठल के रूप में खड़े होते हैं एवं उनके जलाने पर नजदीक के किसानों के फसलों में आग लगने की संभावना बनी रहती है जिससे खड़ी फसल एवं आबादी में अग्निकाण्ड होने की संभावना बनी रहती है, वहीं आस-पास के खेत व खलिहान तथा मकान में भी अग्निकाण्ड के कारण अत्यधिक नुकसान उठाना पड़ता है। अतः प्रदेश के कृषकों से अनुरोध है कि किसी भी फसल के अवशेष को जलायें नहीं बल्कि मृदा में कार्बनिक पदार्थों की वृद्धि हेतु पादप अवशेषों को मृदा में मिलावें/ सड़ावें। फसलों की कटाई यदि कम्बाईन मशीन से की जाती है तो किसान भाई रीपर युक्त कम्बाईन मशीन का ही प्रयोग करें।

पोप ने एक पूर्ण मास्टरक्लास पारी खेली : रुट

हैदराबाद,एजेंसी । इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन नाबाद 148 रनों की शानदार पारी खेलने के लिए ओली पोप की सराहना करते हुए कहा कि तीसरे नंबर के बल्लेबाज ने देश की पिचों पर बल्लेबाजी करने में मास्टरक्लास खेला है। शनिवार को यहां राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में, पोप ने अपना पांचवां और भारत में पहला टेस्ट शतक जड़कर इंग्लैंड को संकट से बाहर निकाला और तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 126 रनों की बढ़त लेने में मदद की।

पोप, जिन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में सिर्फ एक रन बनाया, भारत की ओर से संघर्ष के बीच खड़े होकर 17 चौकों की मदद से नाबाद 148 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 77 ओवर में 316/6 पर पहुंच गया। नागपुर 2012 के बाद से भारत में किसी टेस्ट मैच की दूसरी पारी में पहली बार किसी मेहमान टीम ने 300 रन बनाए। हममें से कुछ लोग एक बहुत ही मुश्किल दौर से निकलने में कामयाब नहीं हो सके, जब स्थिति पलट रही थी, लेकिन एक अच्छी साझेदारी और पोपी ने जिस तरह से खेला वह दुनिया के इस हिस्से में कैसे खेलना है, इसमें एक पूर्ण मास्टरक्लास था। रूट ने प्रसारकों से कहा, बड़े क्षणों और बड़े मैचों में, चोट से वापस आकर उप-कप्तान के रूप में ऐसी पारी खेलना। हम सब उसके लिए बहुत खुश हैं। वह अद्भुत है, हम सभी जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमें खेल में वापस लाने के लिए श्रृंखला की शुरुआत में इस तरह का मार्कर स्थापित करने के लिए, हम उसके लिए उत्साहित हैं।

पिच लगातार धीमी होती जा रही थी, इसका मतलब था कि बल्लेबाजों के पास गेंदबाजों के खिलाफ अपने स्ट्रोकप्ले को समायोजित करने का समय था। पोप को अपने पैरों और कलाइयों के अच्छे उपयोग से स्पिनरों को कुंद करने से काफी फायदा हुआ, उन्होंने तेजतर्रार जसप्रीत बुमराह के जादू से खुद को बचाया और टेस्ट क्रिकेट में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक खेलने के लिए पारंपरिक स्वीप और रिवर्स स्वीप को अच्छे प्रभाव से अंजाम दिया।

सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने भी पोप की लचीली पारी की प्रशंसा की। ÷हम खुश हैं, ओली की अविश्वसनीय पारी। सुबह कुछ और रनों के साथ, यह एक मुश्किल लक्ष्य हो सकता है। हम ओली से बहुत कुछ सीख सकते हैं। यह कुछ ऐसा था जिसके साथ हम बड़े हुए हैं (स्वीप और रिवर्स स्वीप खेलते हुए), यह उनकी लंबाई कम करने का एक अच्छा तरीका है। हमने इसे निश्चित रूप से लिया होगा, एक और 45-50 रन, यह उनके लिए एक मुश्किल पीछा हो सकता है।रूट का मानना है कि यह इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट का शानदार दिन था।

इंग्लैंड ने 28 रन से जीता पहला टेस्ट

भारत की दूसरी पारी 202 पर सिमटी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 28 रन से जीत लिया है। इस जीत से इंग्लिश टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

हैदराबाद में रविवार को 231 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम दूसरी पारी में 202 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान रोहित शर्मा ने 39 रन बनाए। रविचंद्रन अश्विन और केएस भरत ने 28-28 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से डेब्यू कर रहे टॉम हार्टले ने 7 विकेट लिए। इंग्लैंड ने चौथे दिन की शुरुआत 316/6 के स्कोर से की और दूसरी पारी में 420 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 231 रन का टारगेट दिया। ओली पोप ने 196 रन की पारी खेली। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 436 रन और इंग्लैंड ने 246 बनाए थे।

इंग्लैंड की कप्तान नाइट डब्ल्यूपीएल से बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड विमेंस टीम की कप्तान और ऑलराउंडर हीथर नाइट डब्ल्यूपीएल (विमेंस प्रीमियर लीग) से बाहर हो गई हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय लीग से नाम वापस लिया है।

नाइट आरसीबी की टॉप प्लेयर्स में से एक है। उन्होंने पिछले सीजन में बेंगलुरु की ओर से 8 मैचों में 135 रन बनाए और 4 विकेट लिए। फ्रैंचाइज ने नाइट की जगह साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क को टीम में शामिल किया। डब्ल्यूपीएल के सीजन-2 की शुरुआत 23 फरवरी से होगी। टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। लीग करीब 4 सप्ताह तक चलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच मुकाबले 19 मार्च से 7 अप्रैल तक होंगे।

साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क को कुल 46 टी-20 मैचों का अनुभव है। क्लार्स राइट हैंड बल्लेबाजी के साथ ही मीडियम पेस बॉलिंग करती है। उन्होंने 46 मैचों में कुल 419 रन बनाए और 35 विकेट लिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नाइट ने इस साल बांग्लादेश में होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से इंग्लैंड के साथ जुड़ने का मन बनाया है। इसमें समान सैलेरी भी एक हिस्सा है।

डेविस कप : पाकिस्तान ने भारतीय टीम के लिए जारी किया वीजा, 3-4 फरवरी को भिड़ेंगी दोनों टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने पाकिस्तान और भारत के बीच डेविस कप में विश्व ग्रुप -1 प्लेऑफ मैच खेलने के लिए सहयोगी स्टाफ सहित भारतीय डेविस कप टीम को वीजा जारी किया है।

विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ मुकाबला तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला जाना है। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक बयान में कहा पाकिस्तान उच्चायोग, नई दिल्ली ने डेविस कप खेलने के लिए सहयोगी स्टाफ सहित भारतीय डेविस कप टीम को वीजा जारी किया है। पाकिस्तान और भारत के बीच विश्व ग्रुप -1 प्लेऑफ मैच होना है। भारतीय डेविस कप टीम 1964 के बाद पहली बार पाकिस्तान की यात्रा करेगी। भारत ने 2019 में अपने सबसे हालिया तटस्थ साइट मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हराया।

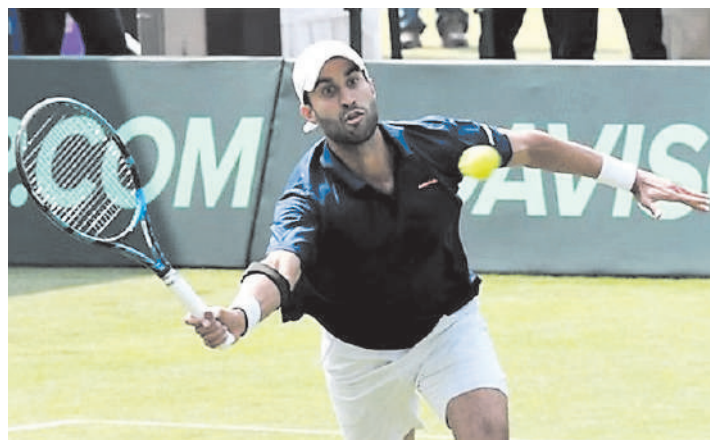

इससे पहले, अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप ढ्ढ प्ले-ऑफ के लिए छह सदस्यीय भारतीय टेनिस टीम चुनी, जो तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद में होगी। मैच पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ग्रास कोर्ट पर होंगे। पूर्व खिलाड़ी रोहित राजपाल भारतीय डेविस कप टीम के गैर-खिलाड़ी कप्तान बने रहेंगे, जबकि जीशान अली कोच होंगे। हालांकि, टीम को अनुभवी रोहन बोपन्ना की कमी खलेगी। 43 वर्षीय बोपन्ना ने सितंबर में मोरक्को के खिलाफ मैच में अपना अंतिम डेविस कप मैच खेला और भारत ने 4-1 से जीत हासिल की।

डेविस कप के लिए टीम इंडिया- युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, साकेत माइनेनी, निकी कालियांदा पूनाचा, दिग्विजय एसडी प्रज्वल देव (रिजर्व), रोहित राजपाल (कप्तान)। भारतीय टेनिस टीम का डेविस कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1966, 1974 और 1987 में था, जब वे दूसरे स्थान पर रहे थे।

वेस्टइंडीज ने 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को उसी की जमीन पर टेस्ट मैच में मात दी और इतिहास रच दिया

शमार ने वेस्टइंडीज की ऐतिहासिक जीत में अहम रोल निभाया

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर पर मात देकर 27 साल बाद जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज के 24 साल के शमार जोसेफ ने चोटिल पैर के साथ ऑस्ट्रेलिया के घमंड को चकनाचूर कर दिया। एक दिन पहले जो खिलाड़ी दर्द के कारण जमीन पर पैर रख नहीं पा रहा था वह अगले दिन वेस्टइंडीज की जीत के हीरो बन गए।

शमार के पैर में लगी चोट

वेस्टइंडीज की टीम शनिवार को बल्लेबाजी कर रही थी और जोसेफ क्रीज पर थे। टीम उस समय नौ विकेट खो चुकी थी। मिचेल स्टार्क तब ओवर करने आए। उनकी यॉर्कर गेंद जोसेफ के पैर में जाकर लगी। गेंद लगते ही जोसेफ दर्द से कराहने लगे। वह जमीन पर पैर भी नहीं रख पा रहे थे। गेंदनो बॉल थी जिसके कारण जोसेफ नॉटआउट थे लेकिन चोट के कारण वह खेलना जारी नहीं रख सके। उन्होंने रिटायर हर्ट होने का फैसला किया।

चोट के बाद शमार बल्लेबाजी के लिए लौटे

इसके बाद शायद ही किसी को उम्मीद थी कि जोसेफ गेंदबाजी कर पाएंगे। हालांकि उन्होंने कैमरन ग्रीन को आउट करके दिखा दिया की वह हार नहीं मानने वाला है। इसके बाद एक-एक करके ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जोसेफ का शिकार बनते रहे। टीम ने 207 के स्कोर पर 9 विकेट खो दिए थे। जोसेफ ने फिर जोश हेजलवुड को बोल्ड किया और ऑस्ट्रेलिया की पारी को समेट दिया।

जोसेफ ने टूटे पैर से की गेंदबाजी

जोसेफ ने अपने स्पैल में 11.5 ओवर डाले जिसमें उन्होंने 68 रन दिए और सात विकेट झटके। इस दौरान उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी की। उनकी इसी गेंदबाजी के कारण ऑस्ट्रेलिया 216 का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी और अपने ही घर पर मुकाबला हार गई। जोसेफ ने अपना दर्द भूलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और टीम को जीत दिलाई।

सरफराज का शतक

इंडिया-ए ने दूसरा अनऑफिशियल-टेस्ट पारी और 16 रन से जीता

◆3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडिया-ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट पारी और 16 रन से जीत लिया है। इस जीत से इंडिया-ए की टीम 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त पर आ गई है। सीरीज का तीसरा मुकाबला एक फरवरी से अहमदाबाद में खेला जाएगा। तीसरे दिन शनिवार को लायंस ने दूसरी पारी में 304/8 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 17 रन बनाने में आखिरी दो विकेट गंवा दिए। भारत ने पहली पारी में 489 और इंग्लैंड लायंस ने 152 रन बनाए थे। भारत को पहली पारी में 337 रन की बड़ी बढ़त बनाई। सरफराज खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 161 रन की शतकीय पारी खेली। सौरभ ने भी असरदार गेंदबाजी की।

आखिरी दिन 37 रन नहीं बना सकी टीम

मेजबान टीम को पारी की हार बचाने के लिए आखिरी दिन 37 रन बनाने थे और 2 विकेट हाथ में थे। लेकिन रॉबिन्सन का विकेट गिरने के बाद शेष बल्लेबाज 37 रन नहीं बना सके।

आखिरी दिन इंग्लैंड को पारी की हार बचाने के लिए 37 रन बनाने थे और 2 विकेट हाथ में थे।

शतक चूके रॉबिन्सन, अर्शदीप ने पवेलियन भेजा

84 रन के निजी स्कोर पर खेलने उतरे ओली रॉबिन्सन अपनी पारी में एक रन ही जोड़ सके। टॉम लुइस ने पारी को 18 रन से बढ़कर 32 रन तक पहुंचाया। रोबिन्सन को अर्शदीप और लुइस को यश दयाल ने आउट किया।

मैथ्यू शून्य पर आउट, सौरभ को 5वां विकेट

मैथ्यू पॉट्स शून्य पर आउट हुए। उन्हें सौरभ कुमार ने चलता किया और 5वां विकेट हासिल किया। उनके अलावा, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप ने 2-2 विकेट हासिल किए।

प्री लीग : वंदना कटारिया की महिला हॉकी टीम में वापसी, मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रांची में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिससे वह ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गई जबकि पिछले दो चरण में टीम ने क्वालिफाई किया था। पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की विफलता से उबरते हुए सविता पूनिया की अगुवाई वाली 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग मैच में ताजा शुरुआत करने की कोशिश करेगी। उत्तराखंड की वंदना कटारिया की चोट से उबरने के बाद बतौर उप कप्तान टीम में वापसी हुई है। इसी चोट के कारण वह इस महीने के शुरू में रांची में ओलंपिक क्वालिफायर्स में नहीं खेल पाई थीं।

रांची में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिससे वह ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गई जबकि पिछले दो चरण में टीम ने क्वालिफाई किया था। टोक्यो ओलंपिक में टीम चौथे स्थान पर रही थी। प्रो लीग का भुवनेश्वर चरण तीन से नौ फरवरी तक चलेगा जबकि राउरकेला चरण 12 से 18 फरवरी तक होगा। भारत दोनों चरण में अमेरिका, नीदरलैंड, चीन और ऑस्ट्रेलिया से दो-दो बार भिड़ेगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत तीन फरवरी को मौजूदा एशियाड चैम्पियन चीन के खिलाफ करेंगी।

◆**टीम:** गोलकीपर- सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम।

◆**डिफेंडर:** गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री।

◆**मिडफील्डर:** निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, नवनीत कौर, सलीमा टेटे, सोनिका, ज्योति, बलजीत कौर, सुनेलिता टोप्पो।

◆**फॉरवड:** मुमताज खान, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया (उप कप्तान), शर्मिला देवी।

बिन ब्लाउज के साड़ी में फोटोशूट करवा जाह्नवी ने मचाया कोहराम

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की मोस्ट गॉर्जियस एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने बहुत कम समय में फैंस के बीच अपनी जबरदस्त पहचान बनाई है। जाह्नवी ने न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि लुक्स से भी फैंस के दिलों में राज किया है। वह अपने स्टाइल और फैशन से मिनटों में लोगों को दीवाना बनाती हैं। अब हाल ही में ऐसा ही आलम एक बार फिर देखने को मिल रहा है। बिन ब्लाइज के साड़ी में फोटोशूट करवाती जाह्नवी फैंस के दिलों में कहर ढा रही हैं। उनकभी ब्लैक, ब्लू तो कभी ओरेंज साड़ी में उनका बेहद बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है।न्यूड मेकअप और खुले बालों से जाह्नवी ने अपने लुक को कंप्लीट किया है और नागिन की तरह लहराती-बलखाती कैमरे के सामने पोज दे रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस का ये अंदाज खूब पसंद आ रहा है और वो इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं।

फातिमा अपनी अगली फिल्म के लिए पंजाब लौटीं

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जिन्हें हाल ही में थिएटर फिल्म सैम बहादुर में देखा गया था, अपनी आगामी फिल्म उल जलूल इश्क की शूटिंग के लिए पंजाब लौट आई हैं।अभिनेत्री ने इसी राज्य में अपनी पहली फिल्म दंगल की शूटिंग की थी, जिसमें उन्होंने भारतीय पहलवान गीता फोगाट की भूमिका निभाई थी। गीता ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता था।दंगल के निर्माण के दौरान पंजाब और हरियाणा के गुज्जरवाल, नारंगवाल, किला रायपुर, डांगो और लील गांवों में शूटिंग करने का मौका पाकर फातिमा पुरानी यादों की लहर में डूब गई हैं।उल जलूल इश्क में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा और शारिब हाशमी भी हैं।फातिमा की आखिरी रिलीज, सैम बहादुर में उन्हें भारत की दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्रण के लिए प्यार और प्रशंसा मिली है।फातिमा ने पिछले महीने दंगल के साथ इंडस्ट्री में सात साल पूरे किए। यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई मनोरंजन नहीं थी, बल्कि यह एक सांस्कृतिक घटना थी, जिसमें वास्तविक जीवन की कुश्ती चैंपियन के रूप में फातिमा के चित्रण ने उन्हें समान मात्रा में प्रशंसा और प्रशंसा अर्जित की।फातिमा ने कहा, दंगल को 7 साल हो गए हैं, एक ऐसी फिल्म जिसने सिनेमा में मेरी शुरुआत की और मुझे खुशी के आंसू, खुशी और शाश्वत यादें दीं।

मशहूर एक्ट्रेस श्रीला मजूमदार का ओवेरियन कैंसर से निधन

मनोरंजन जगत से आए दिन कोई न कोई बुरी खबर सामने आई रहती है। बांग्ला फिल्मों की एक्ट्रेस श्रीला मजूमदार का कोलकाता में निधन हो गया है। एक्ट्रेस पिछले तीन साल से ओवेरियन कैंसर से पीड़ित थीं और बीते शनिवार वह दुनिया से चल बसीं। श्रीला की मौत से इंडस्ट्री से शोक की लहर दौड़ गई है। 65 वर्षीय श्रीला की मौत की पुष्टि करते हुए उनके पति एसएनएम आब्दी ने कहा कि पिछले साल नवंबर में वह बीमार हो गई थीं। उस वक्त वह घर पर ही थीं। श्रीला 13 से 20 जनवरी तक टाटा मेडिकल कैंसर सेंटर अस्पताल में भर्ती थीं और 27 जनवरी को वह हमेशा हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह गईं। बताया जा रहा है कि श्रीला का अंतिम संस्कार रविवार को कोलकाता में किया जाएगा।

फरीदाबाद के अरावली में बने 90 अवैध फार्म हाउसों पर चलेंगे बुलडोजर, वन विभाग ने बनाई लिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद जिले के अरावली इलाके में बने अवैध फार्म हाउस को अगले सप्ताह से तोड़ने की तैयारी है। वन विभाग ने यहां पर 90 फार्म हाउस को तोड़ने की लिस्ट तैयार की है। सुप्रीम कोर्ट ने करीब ढाई साल पहले इन्हें तोड़ने का आदेश दिया था। इस बीच अदालत ने फार्म हाउस मालिकों की बात सुनने के लिए समय दिया था। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान इन अवैध फार्म हाउसों के नहीं तोड़े जाने पर वन विभाग को फटकार लगाई। वन विभाग ने पहले चरण में करीब 90 अवैध फार्म हाउसों के तोड़ने की तैयारी की है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अरावली में अवैध कब्जे और अतिक्रमण हटाए जाने की कार्ययोजना पर वन विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अरावली में पंजाब भूमि रोकथाम अधिनियम (पीएलपीए)-1900 के तहत जिले में करीब 530 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमणों को चिह्नित किया गया है। अरावली में 700 से अधिक अवैध निर्माण हैं। करीब डेढ़ वर्ष पहले अरावली में कुछ अवैध फार्म हाउसों को तोड़ दिया गया था, लेकिन इन्हें फिर से बना दिया गया। मिलीभगत के दम पर कई फार्म हाउसों को पहले से भी शानदार बनाया गया है। अवैध निर्माण ढहाने के आदेश की जद में फार्म हाउस के अलावा फाइव स्टार होटल, धार्मिक शैक्षणिक संस्थान और कुछ आवासीय सोसाइटी भी आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि अरावली वन क्षेत्र से अवैध निर्माण का सफाया किया जाना है, लेकिन मिलीभगत से ऐसा नहीं किया गया। अभी तक केवल खोरी, बड़खल, जमाई कॉलोनी आदि से अवैध निर्माण हटाकर करीब 10 हजार लोगों को बेघर किया गया है, जबकि अरावली में अवैध फार्म हाउस और रसूखदारों के निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को चिढ़ा रहे हैं। हालांकि, बीते सप्ताह वन विभाग की टीम जब एक अवैध फार्म हाउस को तोड़ने पहुंची तो वहां कुछ रसूखदारों के विरोध के कारण टीम बैरंग लौट गई थी। अब विभाग ने पुलिस आयुक्त से पर्याप्त सुरक्षा बल मुहैया कराने की मांग की है। जिला वन संरक्षण अधिकारी राजकुमार ने बताया कि अवैध निर्माणों में कार्रवाई की जाएगी।

फिर बदलेगी दिल्ली की फिजा, बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में धूप निकलने के चलते तापमान में तीन डिग्री से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, ठंडी हवाओं ने दिनभर लोगों को सताया। उधर, कोहरे के कारण विमान और रेल सेवाएं अब तक प्रभावित हैं। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री था तो वहीं शनिवार को यह 24 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। इस वर्ष जनवरी माह में पहली बार अधिकतम तापमान 24 डिग्री पर पहुंचा है। 31 जनवरी और 1 फरवरी को हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में शनिवार सुबह काफी ठंड रही, लेकिन 9 बजे से ही धूप निकल गई। दोपहर में यह धूप बेहद तेज रही जिसके चलते कई दिनों बाद लोगों को ठंडक से राहत मिली। शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री रहा जो सामान्य से चार डिग्री कम है। दिल्ली के लोधी कॉलोनी में सुबह के समय न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले चार से पांच दिनों तक दिन में अच्छी धूप निकलेगी और ठंड का असर कम होगा। अगले छह दिनों तक दिल्ली का अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री के आसपास बना रह सकता है। वहीं अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री तक पहुंच जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 24 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिल्ली में

शनिवार को मध्यम श्रेणी का कोहरा रहा। सुबह के समय पालम पर दृश्यता 300 मीटर रही, इसलिए दिल्ली एयरपोर्ट से 80 विमानों ने देरी से उड़ान भरी। वहीं, आधा दर्जन विमानों की यात्रा रद्द हो गई। उधर, देश के विभिन्न स्थानों से 70 से ज्यादा रेलगाड़ियां दिल्ली में देरी से पहुंचीं, जिससे यात्री परेशान रहे। राजधानी में शनिवार को धूप निकलने और हवा चलने से प्रदूषण थोड़ा कम हुआ है। हालांकि, अगले तीन दिन प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में ही बने रहने के आसार हैं। शनिवार सुबह वायु प्रदूषण गंभीर श्रेणी में बना हुआ था, जबकि शाम तक यह बेहद खराब श्रेणी में लौट आया। बीते चार में से दो दिन प्रदूषण गंभीर श्रेणी में रहा है। शुक्रवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 409 था तो शनिवार 357 दर्ज किया गया। दिल्ली में लगभग 100 दिनों से प्रदूषण लगातार बढ़ा हुआ है। इस दौरान एक भी दिन हवा साफ या मध्यम श्रेणी में नहीं रही। इनमें से अधिकांश समय में प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में रहा है। कुछ दिन प्रदूषण खराब और गंभीर श्रेणी में भी रहा। हवा की गति बढ़ने से फायदा हुआ शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 405 दर्ज किया गया था तो वहीं शाम होते-होते यह 357 पर पहुंच गया। सुबह के समय कोहरा हल्का रहने, अधिकतम तापमान में सुधार होने एवं हवा की रफ्तार लगभग 12 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने के चलते प्रदूषण में यह कमी देखने को मिली।

पांच दिन बाद भी नहीं मिला एसीपी के बेटे शव, दोस्तों ने ही नहर में दिया था धक्का

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी-उत्तरी दिल्ली जिला पुलिस के ऑपरेशन सेल में तैनात एसीपी यशपाल सिंह के बेटे 22 वर्षीय लक्ष्य चौहान का शव पुलिस पांच दिन बाद भी नहीं ढूंढ सकी है। पुलिस रोजाना दिन निकलते ही गोताखोरों की मदद से लक्ष्य के शव को तलाशने में जुट जाती है। लेकिन पुलिस को अभी तक उसका कुछ पता नहीं चला है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी और लक्ष्य की लोकेशन नहर के पास मिली है।

फुटेज में पहले वे तीन और बाद में दो लोग एक साथ दिखाई दे रहे है। उधर, हत्या में शामिल अभिषेक को तीन दिन की पुलिस रिमांड मिली है। पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है। हत्याकांड का मास्टरमाइंड आरोपी विकास अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस जल्द ही उसे गिरफ्तार करने की बात कह रही है। आउटर-नॉर्थ जिले की कई टीमें आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है।

ज्ञात हो कि 22 जनवरी दोपहर को मुकरबा चौक से निकले जहां लक्ष्य उन्हें काले रंग की इकोस्पोर्ट कार में मिला। वह लक्ष्य के साथ कार के अंदर बैठे और बाद में विकास भी उनके साथ शामिल हो गए। देर रात तक वे भिवानी हरियाणा में शादी समारोह में पहुंचे और रात 12 बजे के बाद वहां से चले गए। वापसी के दौरान उन्होंने पानीपत में कार रोकी और वे सभी योजना के तहत कार से बाहर आ गए। जब लक्ष्य नहर के पास खड़ा हुआ तो उसने और विकास ने उसे नहर में धक्का दे दिया और वे दोनों लक्ष्य की कार लेकर वहां से भाग गए। विकास उसे नरेला छोड़कर चला गया। पुलिस विकास की तलाश कर रही है। वह कोर्ट में मुंशी है। अपहरण का केस दर्ज करने के तीन दिन बाद पुलिस ने इस मामले में हत्या की धारा जोड़ी। इस मामले में पुलिस एक आरोपी अभिषेक को पकड़ चुकी है। उसने हत्या की बात कबूल ली है।

छात्रों की पढ़ाई की अभिभावकों को मिलेगी लाइव रिपोर्ट, एमएसडी का खास प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में छात्रों की पढ़ाई से जुड़ी सभी तरह की जानकारी लाइव रिपोर्ट के जरिए अभिभावकों को मिलेगी। इसके लिए एक वेबसाइट को विकसित किया जाएगा। जिसमें निगम के सभी स्कूलों की लाइव रिपोर्ट एक साथ अभिभावकों को मिल सकेगी। अभी मौजूदा समय में निगम के छह स्कूलों में अभिभावकों को छात्रों की पढ़ाई, प्रदर्शन व अन्य गतिविधियों की लाइव रिपोर्ट दी जा रही है। हालांकि इन सभी स्कूलों की अलग-अलग वेबसाइट तैयार की गई है। जिसमें इन स्कूलों में पढ़ने वाले अभिभावकों को क्यूआर कोड को स्कैन करने पर वेबसाइट का लिंक खुल जाता है। इसके बाद अभिभावक को छात्रों की लाइव रिपोर्ट मिलती है। अब निगम के सभी स्कूलों में एक साथ यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। अगले तीन माह के दौरान 200 से अधिक निगम के स्कूलों को इस व्यवस्था से जोड़ने की योजना है।

निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम के सभी स्कूलों में अभिभावकों को छात्रों की पढ़ाई की लाइव रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाई है। इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू करेंगे। धीरे-धीरे सभी स्कूलों को इसमें शामिल करेंगे। एक ही वेबसाइट पर स्कूलों की लाइव रिपोर्ट देने के लिए उसे विकसित करेंगे। इसमें वार्ड स्तर पर स्कूलों के नाम के साथ सूचना मिलेगी। अभिभावकों की ओर से स्कूल के नाम की जानकारी वेबसाइट में डालते ही। उन्हें लाइव रिपोर्ट उपलब्ध होगी। अधिकारियों ने बताया कि छात्रों के नतीजे, उपस्थिति, होमवर्क के साथ उनके प्रदर्शन की रियल टाइम जानकारी अभिभावकों को मिलेगी। निगम के 1500 से अधिक स्कूल हैं। जिनमें पहली से पांचवी कक्षा की पढ़ाई होती है। इन सभी स्कूलों में 8 लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं। इन सभी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया जारी है। इन कैमरों के जरिए वेबसाइट के माध्यम से छात्रों की सूचना अभिभावकों तक पहुंचेगी। अभी तक लगभग 400 स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि निगम के स्कूलों में अब नेतृत्व विकास कार्यक्रम को भी लागू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के जरिए स्कूल के प्रधानाचार्य शिक्षकों के साथ मिलकर छात्रों को विभिन्न शिक्षण गतिविधि के लिए प्रशिक्षण देंगे। स्कूलों में वीडियो व्याख्यान के तहत भी छात्रों को पाठ्यक्रम को पढ़ाया जाएगा। अगले दो माह के दौरान 100 से अधिक स्कूलों में वीडियो व्याख्यान प्रणाली को लागू करेंगे। जिसमें एलईडी स्क्रीन के माध्यम से छात्रों की विज्ञान व अन्य विषयों के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होगी।

दिव्या पाहुजा मर्डर केस : टीवी पर खबरें देख पुलिस को चकमा देते रहे आरोपी

नईदिल्ली, एजेंसी। गैंगस्टर संदीप गाडोली की गर्लफ्रेंड मॉडल दिव्या पाहुजा के शव को ठिकाने लगाने में मदद करने वाले रवि बांगा ने पुलिस पूछताछ में कई खुलासे किए। उसने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह और बलराज गिल गेस्ट हाउस में दिनभर टीवी चैनलों पर खबरें देखते रहते थे। जब उन्हें लगता कि पुलिस उनके करीब पहुंचने वाली है तो वो वहां से फरार हो जाते थे।

रवि ने बताया कि दिव्या के शव को कार में रखने के बाद वह कार सौ किलोमीटर से भी तेज रफ्तार में चला रहे थे, ताकि पकड़े नहीं जा सकें। बलराज गिल और रवि बांगा दोनों ने ही कार चलाई। रवि ने बताया कि बलराज की गिरफ्तारी के बाद वह कुछ दिन कोलकाता में रहा और उसके बाद वह राजस्थान पहुंच गया।

मॉडल दिव्या पाहुजा के शव को ठिकाने लगाने के बाद दोनों आरोपी राजस्थान के रास्ते यूपी होते हुए कोलकाता पहुंचे थे। जहां पर बलराज गिल और रवि का साथ छूट गया था। उसके बाद वह राजस्थान आ गया था। वहां पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि संदीप गाडोली गुरुग्राम का गैंगस्टर था। उस पर तीन दर्जन से ज्यादा हत्या, हत्या का प्रयास, जबरन वसूली, रंगदारी और फिरौती के केस दर्ज थे।

रवि बांगा को अपराध शाखा सेक्टर-17 की टीम ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे तीन दिन का पुलिस रिमांड पर लेकर जांच में जुटी है। पुलिस अब बलजीत और रवि बांगा के बयानों का मिलान करेगी। मामले में अब तक सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें हेमराज, ओम प्रकाश की पहचान होटल कर्मचारी के रूप में हुई है। होटल मालिक अभिजीत मुख्य आरोपी है। पुलिस ने उसके पीएसओ प्रवेश और गर्लफ्रेंड मेघा को भी गिरफ्तार किया है। शव ठिकाने लगाने वाला बलराज गिल को कोलकता एयरपोर्ट, रवि बांगा को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ है कि बलराज गिल और रवि बांगा पुलिस की हर गतिविधि पर ध्यान रख रहे थे।

पति ने झगड़े के बाद पत्नी को तीसरी मंजिल से फेंककर मारा, गाजियाबाद में दिल दहलाने वाली वारदात

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के गोविंदपुरम में कथित तौर पर झगड़े के बाद पति द्वारा पत्नी की मकान की तीसरी मंजिल से फेंककर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतका के मायकेवालों का आरोप है कि आरोपी पति नशे का आदी है, विवाहिता इसका विरोध करती थी। कविनगर पुलिस ने मृतका के मायकेवालों की शिकायत पर पति, देवर, सास और ननद के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने के बाद पति को गिरफ्तार कर लिया है। थाना बड़ौत, जिला बागपत के गांव लुहारी निवासी आनंदपाल के मुताबिक, बड़ौत निवासी उनकी ममेरी बहन शालू की शादी वर्ष 2012 में गोविंदपुरम की कृष्णा कॉलोनी में रहने वाले विकास के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले शालू को दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे थे। आनंदपाल का कहना है कि विकास नशे का आदी है। शालू इसका विरोध करती थी, जिसके चलते विकास कई बार शालू की पिटाई कर चुका था। शुक्रवार को भी ससुरालवालों ने शालू की पिटाई की थी। इसकी सूचना पाकर वह शालू की ससुराल पहुंचे और मामला निपटाने के बाद वापस लौट आए। आनंदपाल का आरोप है कि रात के समय विकास और उसके परिजनों ने शालू के साथ फिर से मारपीट की और तीसरी मंजिल से फेंककर उसकी हत्या कर दी।

अमेरिका का अंतरिक्ष यान चैलेंजर दुर्घटनाग्रस्त, सभी सात अंतरिक्ष यात्रियों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। आज की तारीख दो बड़ी घटनाओं के गवाह के तौर पर इतिहास के पन्नों में दर्ज है। 28 जनवरी 1986 को अमेरिका का अंतरिक्ष यान चैलेंजर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। फ्लोरिडा से उड़ान भरने के 73 सेकंड के भीतर इसमें विस्फोट हो गया और इसमें सवार सभी सात अंतरिक्ष यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में एक शिक्षक भी था, जिसका चयन अंतरिक्ष में जाने वाले पहले असैन्य नागरिक के तौर पर किया गया था। दूसरी बड़ी घटना 28 जनवरी 1998 की है जब देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां रोकथाम) की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई। तमिलनाडु के श्रीपेरूंबुदूर में 1991 के आम चुनाव में प्रचार के दौरान मई में एक बम हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। देश दुनिया के इतिहास में 28 जनवरी की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार हैः- 1813 : ब्रिटेन के मशहूर लेखक जेन आस्टन के रोमांटिक उपन्यास प्राइड एंड प्रेजुडिस किताब का पहली बार प्रकाशन हुआ। इसे अंग्रेजी साहित्य की सबसे अधिक चर्चित रचनाओं में गिना जाता है। 1835 : कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की शुरूआत। 1865 : लाला लाजपत राय का जन्म। 1898 : सिस्टर निवेदिता का भारत आगमन। 1900 : जरनल के. एम. करिअप्पा का जन्म, जो देश के पहले गवर्नर बने। 1933 : चौधरी रहमत अली खां ने मुस्लिम लीग की मांग के तहत बनने वाले अलग राष्ट्र के लिए 'पाकिस्तान' नाम सुझाया। 1961 : घड़ी बनाने वाली कंपनी एचएमटी की पहली फैक्टरी की बेंगलूर में आधारशिला रखी गई। 1980 : देश के सबसे बड़े मालवाहक पोत 'रानी पदमिनी' का जलावतरण। 1986 : अमेरिका का अंतरिक्ष यान चैलेंजर दुर्घटनाग्रस्त। सभी सात अंतरिक्षयात्रियों की मौत।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ने पर ईरान ने तीन सैटेलाइट किए लॉन्च, सिमोर्ग रॉकेट का किया सफल उपयोग

यरुशलम, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि उसने तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लॉन्च किया है।राज्य संचालित आईआरएनए समाचार एजेंसी ने कहा कि प्रक्षेपण में ईरान के सिमोर्ग रॉकेट का सफल उपयोग भी देखा गया, जिसमें पहले कई विफलताएं हुई हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले कहा है कि ईरान के उपग्रह प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की अवहेलना करते हैं और तेहरान से परमाणु हथियार पहुंचाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों से जुड़ी कोई गतिविधि नहीं करने को कहा है।

ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध पिछले अक्टूबर में समाप्त हो गए। अमेरिकी खुफिया समुदाय के 2023 विश्वव्यापी खतरे के आकलन में कहा गया है कि उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों के विकास से ईरान के लिए अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करने की समयसीमा कम हो गई है, क्योंकि इसमें समान तकनीक का इस्तेमाल होता है। अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का उपयोग परमाणु हथियार पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौते के टूटने के बाद ईरान अब हथियार-ग्रेड स्तर के करीब यूरेनियम का उत्पादन कर रहा है। पिछले दशक में, ईरान ने कई अल्पकालिक उपग्रहों को कक्षा में भेजा है और 2013 में एक बंदर को अंतरिक्ष में भेजा है। दिसंबर में, ईरान ने जानवरों को ले जाने में सक्षम एक कैप्सूल कक्षा में भेजा क्योंकि वह आने वाले वर्षों में मानव मिशन की तैयारी कर रहा है।

अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने किया ध्वजारोहण, कहा- भारत-अमेरिका संबंधों में हो रहे बदलाव

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा है कि भारत-अमेरिका संबंधों में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द्विपक्षीय संबंधों ने अभी तक केवल ऊपरी हिस्से को ही कवर किया है और ये काफी दूर तक जाने वाले हैं।

संधू ने यहां गणतंत्र दिवस समारोह में भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि उनकी दूसरी पीढ़ी भारत से जुड़ी रहे। उन्होंने कहा, ÷मैं आपको केवल यह बताना चाहता हूं कि आज भारत में, अमेरिका-भारत संबंधों में भी क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं।÷

35 साल से अधिक समय के बाद विदेश सेवा से इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले संधू ने कहा, ÷यह महत्वपूर्ण है कि आपके बच्चे और आपके परिवार भारत के बारे में जागरूक हों, भारत से जुड़े रहें।÷ संधू ने कहा, ÷न केवल भावनात्मक, सांस्कृतिक और कई अन्य कारणों से बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक कारणों पर भी ध्यान दें और भारत से जुड़े रहें।÷

मैकलीन, वर्जीनिया में कार्यक्रम का आयोजन नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन

द्वारा किया गया था। वर्तमान राजदूत को भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिए समुदाय के नेताओं द्वारा सम्मानित भी किया गया। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, संधू ने भारतीय अमेरिकी बिजनेस इम्पैक्ट ग्रुप द्वारा आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोलते हुए कहा कि भारत-अमेरिका संबंध अब तक केवल हिमशैल के शीर्ष को छू सका है। उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि, हमने केवल हिमशैल के शीर्ष को ही कवर किया है। इन सभी क्षेत्रों में, यह रिश्ता दूर तक जाने वाला है।÷ उन्होंने कहा, ÷हम पहले से ही एआई के विभिन्न आयामों के बारे में सुन रहे हैं। भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है।÷ संधू ने दोहराया कि करियर की संभावनाओं, नौकरियों और अपने बच्चों के विकास के लिए भारतीय अमेरिकियों को भारत से जुड़े रहना चाहिए।

भारत-अमेरिका के बीच रिश्ते पहले से बेहतर हो रहे है, आ रहे है क्रांतिकारी बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के निवर्तमान राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत एवं अमेरिका के संबंधों में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं जो कि द्विपक्षीय संबंधों की अभी सिर्फ शुरुआत है तथा इस दीर्घकालिक रिश्ते का दायरा अभी और बढ़ेगा। संधू ने यहां गणतंत्र दिवस समारोह में भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि यहां रह रहे भारतीयों की दूसरी पीढ़ी भारत से जुड़ी रहे। उन्होंने कहा, ''मैं आपको केवल यह बताना चाहता हूं कि आज भारत में अमेरिका-भारत संबंधों में भी क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं और इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आपके बच्चे और आपके परिवार भारत के बारे में जागरूक हों, भारत से जुड़े रहें।'' संधू 35 से अधिक वर्षों की सेवा के बाद इस महीने के अंत में विदेश सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। संधू ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पूंजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आने से सभी युवा भारतीय अमेरिकियों को नौकरी के अधिकतर अवसर प्राप्त करने का विशिष्ट अवसर मिलेगा। संधू ने कहा, ''इसलिए न केवल भावनात्मक, सांस्कृतिक और कई अन्य कारणों से, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक कारणों से भी भारत से जुड़े रहें।

पाकिस्तान ने इतिहास में पहली बार माना बलूचिस्तान मांग रहा आजादी, कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कही बात

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार किसी भी राजनीतिक नेता ने पहली बार माना है कि बलूचिस्तान के लोग आजादी मांग रहे हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान के लोग न केवल पाकिस्तान से असंतुष्ट हैं, बल्कि एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं।

बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, काकर ने एक साक्षात्कार में बलूचिस्तान में जबरन गायब हो रहे लोगों के जटिल मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। पाक पीएम ने इन मामलों को सुलझाने में आने वाली चुनौतियों को पहचाना और लापता व्यक्तियों की वापसी पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान में असंतोष की जड़ एक अलग बलूच पहचान है। हालांकि, ये इस बात को पिछले पाकिस्तानी प्रशासनों ने कभी स्वीकार नहीं किया था। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक पीएम का यह बयान पिछली पाकिस्तानी सरकारों के एक अलग दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो बलूचिस्तान स्वतंत्रता आंदोलन को अल्पसंख्यकों की चिंता को दिखाता है। इससे पहले सभी नेता आजादी की मांग को कभी स्वीकारते नहीं थे।

विवादों से भरा रहा काकर का कार्यकालब्र बलूचिस्तान के पश्तून बेल्ट से आने वाले कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में काकर का कार्यकाल विवादों से भरा रहा है। बलूचिस्तान में स्वतंत्रता-समर्थक और राजनीतिक दलों ने उनकी सरकार की आलोचना की है, उनका कहना है कि बलूच आंदोलन के दमन में वो शामिल रहे हैं। काकर के प्रशासन पर लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों के खिलाफ बल प्रयोग करने और राजनीतिक प्रतिशोध में शामिल होने का आरोप लगा है। अंतरिम प्रधानमंत्री ने जबरन गायब किए गए लोगों के परिवारों के प्रदर्शनों का खुले तौर पर विरोध किया है और इन मुद्दों का समर्थन करने वाले पत्रकारों, लेखकों और नागरिक समाज के अधिवक्ताओं पर बलूच सशस्त्र संघर्ष से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।